



1976

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

[सं० 45] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 6, 1976 (कार्तिक 15, 1898)

No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 6, 1976 (KARTIKA 15, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
 (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

## PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

## संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III—इस कार्यालय की समसंबंधिक अधिसूचना दिनांक 20-8-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भट्टिया को राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 17-9-76 से 28-9-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 अक्टूबर 1976

सं० ए० 38013/5/75-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सोहन लाल को राष्ट्रपति द्वारा निवृत्ति की आमु प्राप्त होने पर 30 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से कार्मिक विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

प्र० ना० मुख्यर्जी

अवर सचिव

(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

## मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

सं० ए०-20014/93/76-प्रशासन-1—राज्य पुलिस विभाग में प्रत्यावर्तन हो जाने पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी श्री कालिदास धर को दिनांक 18-9-1976 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को कलकत्ता शाखा में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है। उन्हें अपर पुलिस अधिकारी डी० आर्ड० बी०, 24 परगना के पास रिपोर्ट करने के अनुदेश भी दे दिए गए हैं।

पी० ए० स० निगम

प्रशासन अधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

## गृह मंत्रालय

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

सं० ई०-28013/10/75-सा०-प्रशा० II—एफ० आर० 56(जे०) के अधीन सेवा से समय-पूर्व निवृत्त होने पर, श्री एस० स्वेन, सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट,

भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई, ने दिनांक 8 सितम्बर, 76 के अपराह्न से पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सि० विष्ट  
महानिरीक्षक

केन्द्रीय अनुवाद व्यूरो  
राजभाषा विभाग  
नई दिल्ली-16, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

सं० फा० सं० 35-87/76-प्रशासन—श्री आनन्द प्रकाश कार्यालय अधीक्षक (स्थायी) केन्द्रीय अनुवाद व्यूरो, को दिनांक 4-10-76 (पूर्वाह्न) से, केन्द्रीय अनुवाद व्यूरो में, तदर्थ आधार पर, प्रशासन अधिकारी के पद पर, अगले श्रादेश जारी होने तक, नियुक्त किया जाता है।

विष्णु स्वरूप सक्सेना  
निदेशक

मुद्रण निदेशालय  
नई दिल्ली दिनांक 20 अक्टूबर 1976

सं० पी० (10)/प्र०-II—श्री के० मधुसूदन पिल्ले, तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) को भारत सरकार पाठ्य पुस्तक मुद्रणालय चण्डीगढ़ में 8 सितम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले श्रादेश होने तक स्थानापन्थ रूप में उप प्रबन्धक (फोटोलिथो) के पद पर नियुक्त किया गया है।

सं० डबल्यू० (1)/प्र०-II—श्री रघबीर सिंह वाधवा तकनीकी अधिकारी (फोटोलिथो) को भारत सरकार मुद्रणालय, मिट्टी रोड, नई दिल्ली में 16 सितम्बर 1976 (पूर्वाह्न) से अगले श्रादेश होने तक स्थानापन्थ रूप में उप प्रबन्धक (फोटोलिथो) के पद पर नियुक्त किया गया है।

श० म० जाम्भोलकर  
मुद्रण निदेशक

वित्त मंत्रालय  
आर्थिक कार्य विभाग  
बैंक नोट मुद्रणालय  
देवास, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

सं० बी० एन० पी०/सी०/63/75—इस कार्यालय की दिनांक 14-11-75 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आये श्री बी० बी० सेन, सहायक इन्जीनियर (यांत्रीक) की नियुक्ति दिनांक 12-11-76 से एक वर्ष के लिए बैंक नोट मुद्रणालय में मानक प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर निरन्तर की जाती है।

झी० सी० मुखर्जी  
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग  
कार्यालय, महालेखाकार,  
केन्द्रीय राजस्व  
नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1976  
शुद्धि-पत्र

सं० प्रशासन-I/5-5/पदोन्नति/76-77/कार्यालय श्रादेश 565/1807—श्री ओ० पी० त्यागी, लेखा अधिकारी की सेवा-नियृति से सम्बद्ध इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक प्रशासन-I/5-5/पदोन्नति/76-77/कार्यालय श्रादेश 495/1591 दिनांक 2-9-76 की तृतीय पंक्ति में वर्णित तिथि 31-8-76 (अपराह्न) के स्थान पर तिथि 31-7-76 (अपराह्न) प्रतिस्थापित करें।

एस० एस० दुमगल  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, आनन्द प्रदेश-I  
हैदराबाद-500004, दिनांक 25 सितम्बर 1976

सं० ई० बी० I/8-312/76-77/207—महालेखाकार, आनन्द प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० रामनाथ राव को महालेखाकार आनन्द प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन मान सं० रु० 840-40-1000, ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर 21-9-1976 के अपराह्न से जब तक आगे श्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

दिनांक 5 अक्टूबर 1976

सं० ई० बी० I/8-312/76-77/217—महालेखाकार, आनन्द प्रदेश-I, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पी० पेरियालवार को महालेखाकार आनन्द प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर 29-9-1976 अपराह्न से जब तक आगे श्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० ई० बी० I/8-312/76-77/215—महालेखाकार, आनन्द प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री बी० सी० एल० नारायण को महालेखाकार आनन्द प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन-मान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्थ लेखा अधिकारी के पद पर 29-9-1976 अपराह्न से जब तक आगे श्रादेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० आर० मुखर्जी  
प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

## रक्षा लेखा नियंत्रक का कार्यालय

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) अधिनियम, 1965 के नियम 5(1) के अधीन सेवा समाप्ति की सूचना जारी की गयी।

केन्द्रीय सिविल सेवाएं (अस्थायी सेवा) अधिनियम 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसार मैं श्री विदित कुमार भट्टाचार्जी को इस सूचना प्राप्ति के दिन से एक महीने के अवधि के समाप्ति के दिन तक या जिस तरह का उनपर मामला हो, सेवा समाप्ति की सूचना देता हूँ।

स्थान—पटना  
दिनांक 3 मई, 1976

पी० सी० थॉमस  
रक्षा लेखा नियंत्रक  
पटना

## पार्वती

मैं आज सेवा-समाप्ति सूचना की प्राप्ति की पार्वती भेज रहा हूँ।  
हस्ताक्षर  
पदनाम  
स्थान  
दिनांक

## वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई चिल्ली, दिनांक 7 सितम्बर, 1976

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 6/1149/76-प्रशा० (राज०)/6284—राष्ट्रपति,  
इस कार्यालय में काम कर रहे केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के वर्ग-2 के स्थायी आशुलिपिक, श्री स्वर्ण सिंह को इस कार्यालय में 7 अगस्त, 1976 के दोपहर पूर्व से छह माह की अवधि के लिए या जब तक इस पद का स्थायी धारक नहीं आ जाता, इनमें से जो भी पहले हो उस अवधि के लिए तदर्थ आधार पर केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के वरिष्ठ निजी सहायक (वर्ग-1) के रूप में स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. यह इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या 6/1149/76-प्रशा० (राज०)/5532, दिनांक 31-8-1976 का अधिक्रमण करता है।

ए० एस० गिल  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

## आवेदन

विषय :—सामान्य औषध तथा भेषज का आयात करने के लिए 2189 रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी०ई०/०२१०५१७/सी०/एक्स०/४९/एम०/३७-३८, दिनांक 15-10-73 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को रद्द करना।

मद्रास, दिनांक 8 सितम्बर 1976

सं० आई० टी० सी०/२/आर० ई० बी०/ए० एम० 76/ई०-1—सर्वश्री कान्तीलाल सी० सेठ (एच० य० एफ०) 22, फस्ट लाईन बीच, मद्रास-1 को सुस्थापित आयात की श्रेणी के अन्तर्गत निम्नलिखित लाइसेंस प्रदान किया गया था :—

सामान्य औषध तथा भेषज मद के लिए 2189 रुपए के लिए आयात लाइसेंस संख्या पी०ई०/०२१०५१७/सी०/एक्स०/४९/एम०/३७-३८, दिनांक 15-10-73

उन्होंने लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति उपयोग में लाए बिना ही खो गई है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और आवेदक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी की जानी चाहिए।

आयात लाइसेंस संख्या पी०ई०/०२१०५१७/सी०/एक्स०/४९/एम०/३७-३८, दिनांक 15-10-73 की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

## आवेदन

विषय :—ओषध तथा भेषज का आयात करने के लिए 1358/- रुपए के लिए जारी किए गए आयात लाइसेंस संख्या पी०ई०/०२१०८३०/सी०/एक्स०/५४/एम०/३७-३८, दिनांक 16-1-75 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति को रद्द करना।

सं० आई० टी० सी०/३/आर० ई० बी०/ए० एम० 76/ई०—सर्वश्री विक्टर एन्ड कम्पनी (इंडिया) (प्रा०) लि०, मूर स्ट्रीट, मद्रास-1 को सुस्थापित आयातक श्रेणी के अन्तर्गत निम्नलिखित लाइसेंस प्रदान किया गया था :—

ओषध तथा भेषज मद के लिए 1358/- रुपए के लिए लाइसेंस संख्या पी०ई०/०२१०८३०/सी०/एक्स०/५४/एम०/३७-३८, दिनांक 16-1-75।

उन्होंने लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति उपयोग में लाये बिना ही खो गई है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति खो गई है और आवेदक को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी की जानी चाहिए।

लाइसेंस संख्या पी०/ई०/021083०/सी०/एक्स० एक्स०/54/एस०/37-38, दिनांक 16-1-75 की मूल मुद्रा विनिमय नियन्त्रण प्रति एतद्वारा रह की जाती है।

आर० कुमारवेलू  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
छते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

---

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

सं० सी० एल० बी० 11/10(1)/73-76—कपास नियन्त्रण आदेश 1955 के खंड 14 ए० और अन्य संबंधित

उपबंधों के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निवेश देता हूँ कि—

- (1) कोई भी व्यक्ति जो उक्त आदेश के खंड 7 के अंतर्गत 'ए०' क्लास लाइसेन्सधारी है। विनिर्माता को छोड़कर अन्य किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की रुई नहीं देंगा।
- (2) कोई भी विनिर्माता किसी भी प्रकार की रुई किसी अन्य विनिर्माता को, केवल वस्त्र आयुक्त द्वारा दिये गए लिखित अनुशा पत्र के अंतर्गत और अनुसार को छोड़कर, अन्यथा नहीं देंगा या प्रदान (डिलिवर) करेगा।

राजेन्द्र पाल कपूर  
वस्त्र आयुक्त

बम्बई-400020, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

सं० 5(2)/76-सी० एल० बी० II—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 31 और कृतिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खंड 10 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निवेश देता हूँ कि कलाई कारखाना रखनेवाला प्रत्येक उत्पादक और प्रत्येक कृतिम रेशमी सूत विनिर्माता, भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय द्वारा निर्गत जन-सूचना सं० 67—ग्राही० टी० सी० (पी० एन०)/76 दिनांक 24 जुलाई, 1976 के अनुसार आयातित विस्कोज स्टेपल फाइबर/पोली-नोसिक स्टेपल फाइबर/हाई बेट मोड्यूलस विस्कोज स्टेपल फाइबर के आयात और उपभोग की सच्ची और सही सूचना नीचे संलग्न प्रपत्र में वस्त्र आयुक्त, सूती उद्योग शाखा बम्बई को, 10 अक्टूबर 1976 से प्रारंभ करके बाद में प्रतिमास, जिस मास के लिये प्रपत्र हो, उससे अगले मास की 10 तारीख तक भेज देगा।

#### प्रपत्र

विनिर्माता/उत्पादक का नाम  
पता

आयात लाइसेंस का विवरण  
मूल्य रूपयों में परिमाण किलोग्राम में

1	2	3	4	5	6	7	8
फ्रेडिट पत्र क्रेडिट पत्र अंतर्गत चालू होने की तारीख	फ्रेडिट पत्र का मूल्य परिमाण	आयातित पोली-नोसिक/विस्कोज/हाई बेट मोड्यूलस विस्कोज स्टेपल फाइबर	मास में पोली-नोसिक/विस्कोज/हाई बेट मोड्यूलस विस्कोज स्टेपल फाइबर	मास में पोली-नोसिक/विस्कोज/हाई बेट मोड्यूलस विस्कोज स्टेपल फाइबर	मास के अंत में बाकी पोलीनोसिक विस्कोज/हाई बेट मोड्यूलस विस्कोज स्टेपल फाइबर	मास के अंत में बाकी पोलीनोसिक विस्कोज/हाई बेट मोड्यूलस विस्कोज स्टेपल फाइबर	टिप्पणी

गौरी शंकर भार्गव  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

#### विस्कोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 28 सितम्बर 1976

सं० ई०-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०- (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 3 प्रभाग 2 के अन्तर्गत शब्द "अमोनल" के बाद में "ड्लामिक्स-बी०" जोड़ दिया जाये।

हंगुव नरसिंहमूर्ति  
मुख्य विस्कोटक नियंत्रक

द्विस्थात और खान मंत्रालय  
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

सं० 2222 (एच० एस०)/19ए०—श्री हिमालय शर्मा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के आरंभिक बेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-

1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 5 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2251 (आर० एस०)/19 बी०—खनिज समन्वयण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री रनबीर सिंह ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रीलर के पद का कार्यभार, उसी क्षमता में, 1 सितम्बर, 1976 के अपराह्न से ग्रहण किया।

उन्हें खनिज समन्वयण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) में सहायक ड्रिलिंग इंजीनियर का पद ग्रहण करने के लिए, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 2 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से कार्यमुक्त किया गया है।

सं० 2251 (जे० आर० ओ०)/19 बी०—खनिज समन्वयण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री जे० आर० ओहरी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रीलर के पद का कार्यभार, उसी क्षमता में 31 अगस्त, 1976 के अपराह्न से ग्रहण किया।

उन्हें खनिज समन्वयण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्पोरेशन लि०) में सहायक ड्रिलिंग इंजीनियर का पद ग्रहण करने के लिए, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 1 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से कार्यमुक्त किया गया है।

बी० के० एस० वरदान  
महानिदेशक

#### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1976

सं० 5(86)/67-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एततद्वारा श्री आई० आर० मोहना राव, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, विषाखापट्टनम को 7-9-76 से अप्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, ऐजल में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी क्षमता के तदर्थं आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(70)/67-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एततद्वारा कुमारी के० बी० लीला, प्रसारण निष्पादक आकाशवाणी, मद्रास को 6 सितम्बर, 1976 से अप्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी मद्रास में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थं आधार पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा  
प्रशासन उप-निदेशक  
कृते महानिदेशक

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

सं० ए० 31013/4/76 (के० स्वा० शि० व्यू०)  
प्रशासन-1—राष्ट्रपति, 26 फरवरी, 1976 से श्री जी०

एन० श्रीवास्तव को केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यू०, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप सहायक महानिदेशक (प्रदर्शनी) के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 31013/10/76 (के० स्वा० शि० व्यू०)  
प्रशासन-1—राष्ट्रपति 29 जून, 1976 से श्री वाई० पी० गुप्ता को केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यू०, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुसंधान अधिकारी के स्थाई पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

सूरज प्रकाश जिन्वल  
उपनिदेशक प्रशासन

#### कृषि एवं सिन्चाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

#### विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

एन०एच-4, फरीदाबाद, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

सं० 4-5(11)/74 प्रशा० III—श्री प्रेम कुमार जैसवाल विषयन अधिकारी द्वारा दिए त्यागपत्र की स्वीकृति के फल-स्वरूप उन्हें इस निदेशालय में दिनांक 23 सितम्बर, 1976 (अपराह्न) से उनके काम से पद मुक्त किया गया है।

रामाधार

कृषि विषयन सलाहकार भारत सरकार

#### अन्तरिक्ष विभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 30 सितम्बर 1976

सं० 10/3(16)/76-सि० इ० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, केरल लोक निर्माण विभाग, लिवेन्ड्रम से प्रतिनियुक्ति पर आये श्री सी० लक्ष्मीनारायणन को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 23 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

पी० आई० य० नम्बियार  
प्रशासन अधिकारी-II  
कृते मुख्य अभियन्ता

#### पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

सं० इ० (1) 04281—वेष्टशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय, में व्यावसायिक सहायक श्री एस० बी० पुंडले को, 15-9-76 के पूर्वाह्न से 12-12-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एस० बी० पुंडले, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04321—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक श्री के० एस० बी० राजगोपालन को, 1-10-76 के पूर्वाह्न से 28-12-76 तक, नवासी दिन की अवधि के लिए, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राजगोपालन, सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 12 अक्टूबर 1976

सं० ई० (1) 06273—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक डा० आनन्द प्रकाश को 16-9-76 के पूर्वाह्न से 13-12-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

डा० प्रकाश, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन  
मौसम विज्ञानी  
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 1 सितम्बर 76

सं० 1/98/76-स्था०—नई दिल्ली शाखा के तकनीकी सहायक श्री जी० एस० चट्टवाल, जिन्हें 12/4/1976 से उसी शाखा में स्थानापन्न सहायक अभियंता नियुक्त किया गया था (देखिए इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 1/98/76-स्था० दिनांक 7/6/76) 22 मई, 1976 के अपराह्न से तकनीकी सहायक के अपने मूल पद पर प्रतिवर्तित कर दिए गए।

एम० एस० कृष्णस्वामी  
प्रशासन अधिकारी

बम्बई, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

सं० 1/315/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के तकनीकी सहायक, श्री एम० बी० राव को अल्पकालिक खाली जगह पर 5-7-1976 से 21-8-1976 (दोनों दिन सहित) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोविन्द नायर  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक अक्टूबर 1976

सं० क-19012/597/76-प्रशा०-पान्च—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री बी० पी० सिह, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक अभियंता

के रूप में 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में दिनांक 9 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री बी० पी० सिह ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता का कार्यभार सम्भाल लिया है।

जसवंत सिंह  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष  
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1976

सं० 7/2/76 प्रशासन-दो—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में अतिरिक्त सहायक निदेशक (वैज्ञानिक) के प्रेषण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरिंग (वर्ग 2) सेवा में, स्थायी क्षमता में, उनके नामों के सामने दी गई तिथियों से नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	पदनाम	स्थायी क्षमता के प्राधार पर अतिरिक्त सहायक निदेशक नियुक्त होने की तिथि
1.	श्री बी० सी० जैन	अतिरिक्त सहायक निदेशक	16-9-72
2.	श्री होशियार सिंह	—वही—	—वही—
3.	श्री के० एस० ए० शास्त्री	—वही—	—वही—
4.	श्री के० आर० कृष्णस्वामी	—वही—	—वही—

सन्तोष विश्वास  
अवर सचिव 2  
कृते अध्यक्ष

सवारी डिब्बा कारखाना

महाप्रबन्धक का कार्यालय  
मद्रास-38, 7 अक्टूबर 1976

सं० का० शा०/सा०/विवि०II—श्री आर० राममूर्ति, शाप अधीक्षक/ शाप-45 (श्रेणी III) को तदर्थ रूप से दिनांक 3-8-76 से 31-8-76 तक स्थानापन्न सहायक विज्ञली इंजीनियर/ अनुरक्षण (श्रेणी II) के रूप में पदोन्नति की गयी है।

श्री जी० शेषगिरि राव, स्थानापन्न, शाप अधीक्षक/उत्पादन नियंत्रण, फर० (श्रेणी III) को सहायक निर्माण प्रबंधक/ अनुरक्षण/फर० (श्रेणी II) के पद पर तदर्थ रूप से दिनांक 18-8-76 से पदोन्नति की गयी है।

श्री एस० शंकरलिंगम, स्थानापन्न अस्थाई सहायक विजली इंजीनियर, जिसने वरीयमान में ता० 4-8-1976 से पदोन्नति की गयी, उन्हें स्थानापन्न निर्माण प्रबन्धक/ विजली(व० मा०) (तदर्थ) को अस्थाई सहायक विजली इंजीनियर के रूप में ता० 1-9-1976 से रिवर्ट किया गया है।

श्री जे० नटराजन, स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक/डिपो शेल (श्रेणी II) (तदर्थ) को दिनांक 2-9-1976 के पूर्वाह्न से श्रेणी III सेवा को रिवर्ट किया गया है।

श्री आर० सारंगराजन, वित्त सलाहकार, और मुख्य लेखा अधिकारी(व० प्र० स्तर II)को दिनांक 4-9-76 के पूर्वाह्न को दक्षिण रेलवे को स्थानान्तरण किया गया है।

श्री जे० माथन, महा प्रबन्धक ने दिनांक 6-9-1976 को अधिवर्ष को प्राप्त किया। वे दिनांक 30-9-1976 के अपराह्न को सेवा से अन्तिम रूप से निवृत्त होंगे। उन्हें श्रीसत वेतन पर 122 दिन दिनांक 1-10-1976 से 30-1-1977 तक अस्थीकृत छुट्टी मंजूर की गयी।

श्री बी० पी० शर्मा, स्थानापन्न निर्माण प्रबन्धक विजली (व०-मा०) को दिनांक 30-9-1976 के अपराह्न से स्वैच्छिक रूप से सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है।

एस० वेंकटरामन  
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी  
कृते महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग )

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 भागनगर पिक्चर्ज लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद-50000 दिनांक 30 सितम्बर 1976

सं० 837 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी

जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर भागनगर पिक्चर्ज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उबत कम्पनी विषयित कर दी जाएगी।

ओ० पी० जैन  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और आर्यसं एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 6 अक्टूबर 1976  
सं०सी०ओ० 13171—कम्पनी अधिनियम की उपधारा 445(2) के अनुसरण में हाईकोर्ट बम्बई उच्चन्यायलय के तारीख 30-4-76 के आदेश द्वारा आर्यसं एडवरटाइजिंग एण्ड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त करने का आदेश दिया गया है।

पी० टी० गजधानी  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कार्यालय महालेखाकार हरियाणा, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 मई 1976

सं० प्र०-१/डिस्प/राजकुमारी, ले० परीक्षक/75-76/952—  
केन्द्रीय सिविल सेवाएं, नियमावली 1965 (अस्थाई सेवाएं) के नियम 5, उपनियम (1) के अन्तर्गत मैं कुमारी राजकुमारी लेखा परीक्षक को नोटिस देता हूँ कि यह नोटिस जारी करने, अथवा जैसी स्थिति हो, उस दिए जाने की तारीख से एक महीने बाद की तिथि को उसकी सेवा समाप्ति (टर्मिनेशन) समझी जायेगी।

आर० एन० चौपडा  
उप महालेखाकार प्रशासन

प्रेरण आई० ई० एन० एस० · · · · ·

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 1629—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो भोता सिंह  
नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
शत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शंकर सिंह, सुपुत्र श्री वाल सिंह,  
74, गाढ़न कालोनी, माडल टाउन, जालन्धर।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती कमलजीत कौर पत्नि श्री बलदेव सिंह  
गांव शंकर, तहसील—जालन्धर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में शक्ति रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जेन के  
लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जेन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8966, फरवरी,  
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12-10-76

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निवेश सं० 1628—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो सामने कम्पनी  
बाग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूपसे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरिक की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अर्थात् यों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2-316GI/76

1. श्रीमती विश्वाती सौंधी पत्नि श्री सुन्दर दास सौंधी  
सुपुत्र श्री रायजादा हंसराज सौंधी,  
निवासी अस्याला अपर बकरोटा,  
डलहौजी ।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती राज कौर पत्नि श्री अनूप सिंह  
द्वारा मैसर्स इम्पीरियल मैडीकल हाल, सामने पंजाब  
नेशनल बैंक, सिविल लाईन, जालन्धर ।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या क्षसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9276 फरवरी,  
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 12-10-1976

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. चेतन द्रस्ट।

(अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुष्ट (निरीक्षण)

54, रफीअहमद किंदवर्ड रोड

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 5 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टी०प्रा० 299/सि० 274/कल०-I/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'रघुनाथ अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 24 है तथा जो (प्लाट नं० 2ए०) पार्क स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 फरवरी, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुष्ट शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पार्क स्ट्रीट, बुड़ 2 तल्ला 2000 वर्ग फिट, प्लाट नं० 2 ए०।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, इषाने में सुविधा के लिए;

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
54, रफीअहमद किंदवर्ड रोड  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों, अर्थात्:—

तारीख: 5-10-76

मोहर:

प्रलंप आई० टी० एन० एस०—

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

2. मुकेश गंगवलि।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टि०आर० 283/सि० 282/कल०-1/75-76—  
अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है  
से अधिक है।

और जिसकी सं० 2ए० (प्लाट नं० 3बी०) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेंट  
प्लेस नार्थ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 9 फरवरी, 1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सन्वधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभ्राषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2ए० पार्क स्ट्रीट, चार तल्ला में अवस्थित, (नं० 3बी०) लगभग  
2500 वर्ग फिट का 1/2 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफी अहमद किलोमीटर रोड,  
अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 6-10-76

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपषारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता - 16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० टी०आर० 284/सि०-283/कल०-1/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है,  
और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 3 बी०) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
5, गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 9 फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्त, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपावदा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त :—

1. कलकत्ता कडिट कारपोरेशन लि०।

(अन्तरक)

2. राकेश गंगवाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता 5 तल्ला में (प्लाट नं० 3 बी०)  
अवस्थित लगभग 2200 वर्ग फीट स्पेस का 1/2 हिस्सा ।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफी अहमद किदवई रोड  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता 16

तारीख : 6-10-76

मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एन० एस०————

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. विभा, आमा मलिलका द्रष्ट ।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टि० आर०-289/सि०-288/कल०-I/75-76—  
यतः मुझे, स० क० चक्रबर्तीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 2 ए० (प्लाट नं० 2 बी०) है, तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावर्ह अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय 5,  
गवर्नमेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 7 फरवरी, 1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, वे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

2ए० पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित, प्लाट नं० 2 बी० का  
लगभग 2800 वर्ग फिट का 1/2 हिस्सा ।स० क० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 6-10-76

मोहर :

प्रलूप आईटी०एस०एस०

1. कसकता क्रेडिट कारपोरेशन लिमिटेड।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, विनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टी० आर० 290/सि० 289-कल०-I/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 बी० है, तथा जो 24 पार्क स्ट्रीट  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेट प्लेस  
नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 7 फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

एस० जलान एण्ड सन्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

24 पार्क, स्ट्रीट, प्लाट नं० 2 बी०, 2800 वर्ग फिट का,  
आधा हिस्सा।

एस० के० अकबर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

54, रफी अहमद किदवर्डी रोड

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

तारीख : 6-10-76

मोहर :

प्रूलप आई० टी० एस०

कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि०

(अन्तररक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर० 299/सि०-292/कल०-I/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु  
से अधिक है  
और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 4बी०) तथा जो पार्क स्ट्रीट  
में स्थित है (और इससे उपांवद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेंट प्लेस,  
नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन 7 फरवरी, 1976 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
धारात्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री मरमेश्वरलाल सरफ,  
कर्ता आफ परमेश्वर लाल अशोक कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

24 पार्क, स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित पांच तल्ला में  
(प्लाट नं० 4 बी) लगभग 2800 वर्ग फिट स्पेस का 1/4  
हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
54, रफी अहमद किदवई रोड  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 6-10-76

मोहर :

प्रृष्ठ पाई ३० दी ० एन ० एस ०—

1 कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री दिविया जलान

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० टि० आर०-295/सि०-293/कल०I/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 4ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपार्व अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेंट प्लैस, नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुक्त

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

24, पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित पांच तला (प्लाट नं० 4ए) लगभग 2800 वर्ग फिट का 1/4 हिस्सा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० के० चक्रबर्ती,  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
54, रफी अहमद किलबई रोड  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

तारीख: 6-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन, लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री मदन मोहन आगर, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, विनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर० 296/सि०-271/कल०-I/75-76—  
अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 4ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाध्याय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टी अधिकारी के कार्यालय 5 गवर्नर्मेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफुट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपस्थारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—316 जी० आई०/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित (पाँच तल्ला प्लाट नं० 4ए) लगभग 2800 वर्ग फिट का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 6-10-76

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइंटी०एन० एस०—

1. कलकत्ता फ्रेडिट कारपोरेशन लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. मैसर्स के० ए० सइत एण्ड सन्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेंज, कलकत्ता-16  
कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित पांच तला (प्लाट नं० 4ए) लगभग 2800 वर्ग फिट स्पेस का 1/2 हिस्सा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

तारीख : 6-10-76  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1 कलकत्ता ब्रेडिट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, विनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर०-318/सि०-323/कल०-1/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24 प्लाट नं० 5ए है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नर्मेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिशत के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बोधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

2. रामस्वरूप कानोरिया (एच० य० एफ०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितशब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 6 तल्ला प्लाट नं० 5ए जो लगभग 2200 वर्ग फिट का 15 प्रतिशत हिस्सा है।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 54 रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 6-10-76

मोहर:

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०-----

1. कलकत्ता ब्रेडिट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर० 320/सि०-321/कल०-I/75-76--  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 5 ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से कुर्सि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृति:—

2. श्री अनिल कानोरिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित एक तल्ला में प्लाट नं० 5 ए जो लगभग 2200 वर्ग फिट का 15 प्रतिशत हिस्सा है।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, I, 54 रफीअहमद किलवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 6-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ——

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर० 321/सि० 320/कल०-I/75-76—

अतः मुझे एस० के० घकबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है।

और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 5ए) है तथा जो पार्क  
स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
5, गवर्नरमट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित चर्देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुछ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यद्युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्रीमती कुम-कुम कानोरिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
म से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित पांच तला (प्लाट  
नं० 5ए) में अवस्थित लगभग 2800 वर्ग फिट स्पेस का 35  
प्रतिशत हिस्सा।

एस० के० घकबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि०।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर०-291/सि०-290/कल०-ग/75-76—  
 अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24 प्लाट नं० (4 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
 कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
 पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय 5,  
 गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 फरवरी, 1976  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्मान प्रति-  
 फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
 कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
 अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों)  
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
 किया गया है—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी  
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण  
 में, यै, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा  
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रति:—

2. राम रत्न सर्फ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45  
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
 अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
 में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित पांच तला का  
 (प्लाट नं० 4 बी) में लगभग 2800 वर्ग फिट का 1/4  
 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-76

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निर्देश सं०टि० आर० 292/सि०-294/कल०-1/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 4 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5,  
गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 फरवरी, 1976  
को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वारस्विक रूप से घोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व,  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपाधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमित्रा देवी सराफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या क्षत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, चार तल्ला में (प्लाट नं० 4 बी) में  
लगभग 2800 वर्ग फिट का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, 54 रफीअहमद, किंदवर्ड रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-76

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०——

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि०। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता - 16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर०-293सि-291/कल०-I/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 4 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री बाबू लाल सरफ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित पांच तला में (नं० 4 बी) लगभग 2800 वर्ग फिट का 1/4 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि०। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती सुशीला गांगवाल। (अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर० 297/सित०-272/कल०-I/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 3ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5,  
गवर्नरमट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने  
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
4—316GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता] में अवस्थित तिन तला का  
प्लाट नं० 3ए।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख: 7-10-76

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस० —————

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निवेश सं० टि० आर०-298/सि०-273/कल-I/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 3ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
5, गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री केवल चांद गांगधाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित घार तल्ला का  
प्लाट नं० 3ए ।

एस० के० चक्रबर्ती,  
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, 54, रफीअहमद किल्डर रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 7-10-76

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टि० आर०-314/सि०-313/कल०-I/75-76—

अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 24 (नं० 7 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है और इस से उपांचाल अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5,  
गवर्नर्मेंट लेस, नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) 'अन्तरण' से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ध की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कलकत्ता ऑफिट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

2. डेवेलपमेंट कनसल्टेन्ट्स (प्रा०) लि०

(अन्तरिती)

3. यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया लि०

(वह व्यक्ति, जिसके अभिधोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की से तारीख  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशुद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित आठ तला में (नं०  
7बी) नया मकान का अंश जो बाथ रूम और लेवोटेरीस सह  
एक आफिसधर साउर्डन साइड में अवस्थित।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, I, कलकत्ता-16

तारीख: 6-10-76

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० दि०आर०-315/सि०-311/कल०-1/75-76—  
अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 24 (नं० 6 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्चत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उच्चत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उच्चत अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि० (अन्तरक)
2. डेवेलपमेंट कन्सालटेन्ट्स प्रा० लि० (अन्तरिती)
3. यूनाइटेड बैंक आफ इण्डिया,  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

**उपचारिकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता नया मकान का सात तला का उत्तर में आफिस घर, वाथरूम और टट्टीघर जिसका नं० 6 बी है ।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता-16

तारीख: 6-10-76

मोहर :

प्ररूप ग्राही टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टि० आर० 316/सि०-312/कल०-1 यतः  
मुझे एस० के० चक्रबर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पें से अधिक है  
और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 7ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भी और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
5, गवर्नरमट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 फरवरी, 1976  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए प्रतिफल, तथा पाया गया निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. कलकत्ता ऑफिच कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

2. डेवलपमेंट कनसोलटेट प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता, नया मकान का आठ तला का  
उत्तर में प्लाट नं० 7ए, साथ बाथ रूम, आफिस घर और  
ट्यूबर है।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

तारीख: 6-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

२. कलकत्ता ऑडिट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा  
२६९ ख(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज I, कलकत्ता-१६

कलकत्ता-१६, दिनांक ७ अक्टूबर, १९७६

निर्देश सं० टि० आर०-३१७/सि०-३१४/कल०-१/७५-७६—  
अतः मझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
२६९ ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
२५,०००/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० २४ (नं० ६ ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
५, गवर्नरमट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८  
(१९०८ का १६) के अधीन दिनांक २६ फरवरी, १९७६  
को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा २६९ ख के  
अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा २६९ ख की  
उपधारा(१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

२. डेवेलपमेंट कन्सलटेन्ट प्रा० लि०

(अन्तरिती)

युमाईटिड बैंक आफ इंडिया लि०

(अह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सप्ति में हितबद्ध है।)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किये जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय २०-क में यथा-  
परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

२४ पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता नया मकान का सात तल्ला का  
उत्तर में प्लाट नं० ६ ए है जिस में आफिस का घर, बाथरूम और  
टट्टीघर है।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज I, कलकत्ता-१६

तारीख: ७-१०-७६

मोहर:

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अक्टूबर, 1976

निर्वेश सं० टि० आर० 319/सि०-322/कल०-I/75-76—

अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 5ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5,  
गवर्नरमट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए संघ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपषारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अस्तियों अर्थात् :—

1. कलकत्ता ऑडिट कारपोरेशन लि।

(अन्तरक)

2. श्री अनिल कानोरिया (पो० रामस्वरूप अनिलकुमार का  
कर्ता है)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी  
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20 के यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 6 तल्ला प्लाट नं० 5ए  
का 2200 वर्ग फिट का 35 प्रतिशत हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 6-10-76

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टो० एन० एस०—

1. मौसर्स साधना प्रोपर्टीज़ प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती किरन जलान

(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 अक्टूबर, 1976

निर्वेश सं० टिं० आर०-285/सि०-284/कल०-1/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 3 प्लाट नं० 4 ए है, तथा जो लोडन स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
5, गवर्नमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विषयास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/ या

अनुसूची

3 लोडन स्ट्रीट, कलकत्ता प्लाट नं० 4 ए है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

एस० के० चक्रबर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

तारीख: 11-10-76

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. नैसर्स साधना प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती जानकी देवी जान

(अन्तरिकी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टि० आर० 28४/सि०-२८७/कल०-I/75-76—  
 अतः मूँजे, एस० के० चक्रबर्ती  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थाष्ट्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु० से अधिक है  
 और जिसकी सं० 3 (ज्ञाट नं० 4 बी) है तथा जो लोडन स्ट्रीट,  
 कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाखद्ध अनुसूची में और जो  
 पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5,  
 गवर्नर्मेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 फरवरी, 1976  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृष्टान्त प्रतिफल से, ऐसे दृष्टान्त प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

3 लोडन स्ट्रीट, कलकत्ता ज्ञाट नं० 4 बी है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दियाने में सुविधा के लिए;

ए० के० चक्रबर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
 5—316जी०आई०/७६

तारीख: 11-10-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

श्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९ घ (१) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-१६

कलकत्ता-१६, दिनांक ११ अक्टूबर, १९७६

निर्देश सं० टि० आर० ३२७/सी०-३२४/कल०-१/७५-७६—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती,

श्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९ घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिवास करने का कारण  
है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० ३ (प्लाट नं० ३ ए) है तथा जो लंदन स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय ५, गवर्न-  
मेंट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८  
(१९०८ का १६) के अधीन १८ फरवरी, १९७६

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९ घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९ घ की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

१. मैसर्स साधना प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

२. श्री पी० के० चोकसी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

३ सोडन स्ट्रीट, कलकत्ता प्लाट नं० ३ ए है।

एस० के० चक्रबर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-१६

तारीख : ११-१०-७६

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

1. साधना प्रोपर्टीज़, प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टि० आर०-३२८/सि०-३२५/कल०-ष/७५-७६—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० ३ प्लाट नं० २ ए है तथा जो लोडन स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ५,  
गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 फरवरी, 1976  
पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामिलियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

2. इन्टर स्टेट इक्विपमेंट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यवित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यवित्रित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

3 लोडन स्ट्रीट प्लाट नं० २ A २ तला ।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 1110-76

मोहर :

प्रसूच आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टि० आर०-३१९/सि०-३२६/कल०-I/७५-७६—

अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 3, प्लाट नं० 3 वी है तथा जो लोडन स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और द्वासे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टर्ड करकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
5, गवर्नमेंट प्लेस नाथकलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरिक बोगई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अतः अतरक (अन्तरण) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में वार्ताविक रूप से व्यक्ति  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कारी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारत य आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उच्च अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरेती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उच्च अधिनियम की धारा 269-ग के आनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
प्रद्वान निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स साधना प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुमुम खेमानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

3 लोडन स्ट्रीट, प्लाट नं० 3 वी में अवस्थित है।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

तारीख: 11-10-1976

मोहर।

प्रस्तुप फ्राई० टी० एन० एस०—

1 साधना प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16  
कलकत्ता-16, दिनांक 11 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टि० आर० 330-/सी-327/कल०-I/75-76—  
अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3 प्लाट नं० 2बी है तथा जो लोडन स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
5, गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-  
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. इन्टर स्टेट इक्वीपमेंट इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

3 लोडन स्ट्रीट, कलकत्ता प्लाट नं० 2बी में अवस्थित है।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 11-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 11 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० टि० आर०-331/सि०-328/कल०-I/75-76—

अतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 3 प्लाट नं० 5ए, है तथा तथा जो लोडन स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपांच्छ अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5,  
गवर्नरमेंट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन) दिनांक 16 फरवरी, 1976  
को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स साधना प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीता देवी नेत्रिया,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

3 लोडन स्ट्रीट, कलकत्ता प्लाट नं० 5ए में अवस्थित है।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

तारीख: 11-10-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक: 11 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर०-३३२/सि०-३२९/कल०-I/७५-७६—  
अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है ? और जिसकी सं० ३ (प्लाट नं० ५वी)  
है तथा जो लोडन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5,  
गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स साधना प्रोपर्टीज़ प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)

2. श्रीमती सरला देवी, नेरतिया । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्त्वांशद्वयी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध विसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रदृढ़त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के आयाय 20-क में  
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस  
आधाराय में दिया गया है।

अनुसूची

3 लोडन स्ट्रीट, कलकत्ता फ्लेट नं० ५-वी।

एस० के० चक्रबर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

तारीख: 11-10-76 ।

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०----

1. कालकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लिमिटेड। (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर० 275/सि-295/कल०-I/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उचित अधिनियम' यहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विभास करने का वारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

श्रीरजिसकी सं० 24 (फ्लाट नं० 5बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (श्रीरजिससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5,  
गवर्नरमेंट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीरजिस यह विभास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीरजिसी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं विद्या गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के शार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उचित अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
प्रौद्योगिकी

24 पार्क स्ट्रीट, फ्लेट नं० 5बी (पांच तला में)  
1/8 हिस्सा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उचित अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, इधाने में सुविधा के लिए;

एस० के० चक्रबर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

अतः अब उचित अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उचित अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 12-10-76।

मोहर :

प्रृष्ठ प्राप्ति ३० टी० एन० एस०

1. कलकत्ता फ्रेंड्स कारपोरेशन लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती शकुन्तला देवी पोद्दार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० ३० टी० आर० २७६/सि-२९६/कल०-I/७५-७६—  
 अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
 के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये  
 से अधिक है

और जिसकी सं० २४ (फ्लेट नं० ५बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
 कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो  
 पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ५,  
 गवर्नरमेट एवेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 फरवरी, 1976  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
 के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण  
 है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
 अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
 अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
 से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
 गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—316GI|76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**एप्लीकेशन :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता पांच तला का फ्लेट नं० ५बी का  
 1/8 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती,  
 सक्षम प्रधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

दिनांक : 12-10-76 ।

मोहर :

प्रैरूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर०-277/सि०-297/कल०-।/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है  
से अधिक है

और जिसकी सं० 24 (फ्लेट नं० 5 भी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय 5,  
गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कलकत्ता क्रेडिट कारपोरेशन लि०।

(अन्तरक)

2. श्री विमल कुमार पोद्दार, कर्ता आफ एच०य०एफ०  
पूरण मल विमलकुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या लक्ष्मबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में 6 तल्ला का फ्लेट नं० 5 भी का  
1/8 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रज I, कलकत्ता-16

दिनांक : 12-10-76

मोहर :

प्रूप प्राईंट टी० एन० एस०—

1. कलकत्ता, क्रेडिट कारपोरेशन लि०।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर०-278/सि०-298/कल०-1/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24 (एलेट नं० 5 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट ब्लॉक्स में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नर्मेट प्लॉस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवित्यों, अर्थात् :—

2. श्री सजन कुमार पोद्दार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से बढ़ किसी अन्य व्यवित्य द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता का पांच तला में एलेट नं० 5बी का 1/8 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारीख : 12-10-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

1. कलकत्ता फ्रेंड्स कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रुक्मिणी देवी पोद्धार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निदश सं० टि० आर० 279/सि०-299/कल०-I/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 24 (फ्लेट नं० 5 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अःतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रथात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, में पांच तला का फ्लेट नं० 5 बी का 1/8 हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I कलकत्ता-16

तारीख: 12 - 10 - 76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

१. कलकत्ता फेंडिट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९-घ(१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-१६

कलकत्ता-१६, दिनांक १२ अक्टूबर १९७६

निर्देश सं० टि० आर०-२८०/सि-३००/कल०-I/७५-७६—  
अतः, मुझे, एस० के० चक्रबर्ती।

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य, २५,०००/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० २४ (प्लाट नं० ५बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
५, गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८  
(१९०८ का १६) के प्रधीन दिनांक १० फरवरी, १९७६  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए,

२. श्री रामकरण पोद्धार

(ग्रन्तिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय २०-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

२४ पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में ६ तल्ला का प्लाट नं० ५बी  
का १/८ हिस्सा।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-१६

प्रतः, अब उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की  
उपशारा (१) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्नात्:—

दिनांक १२-१०-७६

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, विनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर० [281/सि-280/कत-I/75-76—  
प्रतः मुझे एस० के० चक्रबर्ती]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 5 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है) और इससे उपाख्य अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5  
गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908,  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 फरवरी 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ की उपशारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कलकत्ता फ्रेडिट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

2. श्रीमती बेनारसी देवी पोदार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में 6 तला प्लाट नं० 5 बी का  
1/8 हिस्सा ।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 12-10-76

मोहर :

प्रलेप आई०टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० टि० आर० 282/सि०-281/कल०-I/75-76—

अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है,

और जिसकी सं० 24 (प्लाट नं० 5 बी) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपानुद्धु अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5,  
गवर्नरमेट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए उक्त अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की जपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कलकत्ता फ्रेडिट कारपोरेशन लि०

(अन्तरक)

2. श्री विमलकुमार पोद्धार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में पांच तला में प्लाट नं० 5बी  
का 1/8 हिस्सा ।

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 12-10-76

मोहर :

प्रूफ आई० टी० एन० एस०————

1. मसरू साधना प्राप्टोज़ (प्रा०) लिमि टेड

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

अन्तर्यक

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निवेश सं० टि० आर०-286/सि०-285/कल०-I/75-76—  
अतः मुझे, एस० के० चक्रबर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3 (प्लाट नं० 7 बी) है तथा जो लाउडेन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 फरवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

2. कनकलता अनुसूचिताला

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 लाउडेन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित प्लाट नं० 7 बी

एस० के० चक्रबर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख: 12-10-76

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस० —————

(1) साधना प्रापटीज (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कार्यालय-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 76

निर्देश सं० टी० आर०-287/सि०-286/कल०-I/75-76—  
प्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० 3 (प्लाट नं० 7 ए), है तथा जो  
लाउडीन स्ट्रीट कल० में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, 5 गवर्नरमेंट प्लैस कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 7-2-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे अचले में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-316 GI/76

(3) श्री कैलाश प्रसाद सुनमून बाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वे भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाउडीन स्ट्रीट प्रवस्थित प्लाट नं० 7ए।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 12-10-76

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर, 76

निर्देश सं० टि० आर०-302/सि०-277/कल०-I/75-76—  
अतः पुस्त, एस० को० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 20, 20/1 ए०, 20/1 बी० और 20-1 सी०, है, तथा जो विपिन बिहारी गांगुली स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेंट प्लेस कल०, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3/2/76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कीमती गुलाब बाई कोठारी

(अन्तरक)

(2) कु० राणी प्रभा घोष

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री मती गुलाब बाई कोठारी (2) य० मुलजी (3) एस० सुजन सि० (4) रसीद अहमद (5), सखा खातुन (6) गनेश अनंदसी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

20, 20/1 ए०, 20/1 बी०, 20/1सी०, विपिन बिहारी गांगुली स्ट्रीट कल० 12 में प्रब स्थित हुई तथा मकान

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राप्तिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -I, कलकत्ता-16

तारीख : 12-10-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

(1) रुबी कन्ट्राक्सन को०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

(2) श्री हरप्रसाद मुखर्जी

(अन्तरिती)

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 76

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

75 सि० पार्क स्ट्रीट (ईडनिट नं० 3) ग्राउन्ड फ्लौर।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने  
में सुविधा के लिए;

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-10-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

(1) रुबी कन्स्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

(2) श्री हरप्रसाद मुखर्जी

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

निर्देश सं० टि० आर० 324/सि०-317/कल०-I/75-76—  
अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 75 सि० है तथा जो पार्क स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमैट प्लैस कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**एष्टटीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

75 सी०, पार्क स्ट्रीट का ग्राउन्ड फ्लौर।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 12-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) रुबी कन्स्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९ घ (१) के अधीन सूचना

(2) मैतली मुखर्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-१६

कलकत्ता-१६, विनांक १२ अक्टूबर १९७६

निर्देश सं० टि० आर० ३२५/सि०-३१५/कल०-१/७५-७६—  
अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९ घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ७५ सी० (ईडनिट नं० २) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ५, गवर्नर्मैन्ट प्लैस, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख १६-२-७६ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का १५ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९ घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९ घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २० के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

७५ सि०, पार्क स्ट्रीट, ग्राउन्ड फ्लौर, ईडनिट नं० २

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-१६

तारीख : १२-१०-७६

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) रुबी कन्स्ट्रक्शन को०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मैतली मुखर्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निदश सं० टि० आर०-326/ सि०-316/कल०-I/75-76—  
ग्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 75 सि० (ईडनिट नं० 2 ए०) है तथा  
जो 5, गवर्नरमेंट प्लेस कल० में स्थित है (और इससे उपावड़ अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, 5 गवर्नरमेंट प्लेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-76  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे अचले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्य-  
वाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, अधिवृहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए  
जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

75 सी० पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अबस्थित ग्राउन्ड फ्लौर  
का ईडनिट नं० 2 ए० ।

एस० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 12-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती कर्णाडुमीस वेगम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना(2) एस० ए० प्रापर्टी डेवलपमेन्ट (पी०) लिमिटेड ।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजनन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 15/फरवरी/ 75-76 :—यतः मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 31/2 ए० है, जो पान्तीयन रोड मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पञ्च सं० 1058/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः एवं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास 8, पान्तीयन रोड, डोर सं० 31/2 ए० (भाग) (आर० एस० सं० 1623/1 भाग और 1626/4 भाग) में 4 ग्राउन्ड और 61 स्क्युर फीट की खाली भूमि।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजनन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 13-10-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 अक्टूबर 76

निवेश सं० 28/फरवरी/ 75-76 :—यतः, मुझे, जी०-  
रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 28 है, जो मुल्ला साहिब स्ट्रीट मद्रास-1  
में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 11/76)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 16 फरवरी, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
ग्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(1) श्री पी० वी० नागप्पन और आदि ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तिरुमलै अम्माल ।

(अन्तरिती)

(3) जीनत प्लास्टिक को० ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना आसी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मद्रास 1, मुल्ला साहिब स्ट्रीट डोर सं० 28 (और एस०  
सं० 7490/भाग) में 883 स्कुयर फीट की भूमि (मकान  
मोटार औरुं आदि के साथ) ।

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,  
म; उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति :—

तारीख : 13-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री पी० एस० कृष्णमाचारी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती इन्द्रा बी० निच्चानी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 2/फरवरी/75-76 :—यतः मुझे, जी० रामानाथन अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट बी०, डोर सं० 53/1 है, जो हारीटन रोड मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पद सं० 493/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-2-76

को पूर्खोंवत् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-316 जी आई 76

को यह सूचना जारी करके पूर्खोंवत् सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोंवत् व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 31, हारीटन रोड प्लाट बी०, डोर सं० 53/1, (आर० एस० सं० 359/12) में 2 ग्राउन्ड 450 स्क्युयर फीट की भूमि ।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 14-10-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री पी० एस० कृष्णमाचारी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 3 /फरवरी, /75-76 :—यतः, मुझे, जी०—  
रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सी०, डोर सं० 53/1 है, जो हारीटन रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 505/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-76 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का बारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वारतदिक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपचारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(2) श्रीमती माया एल० नित्यानी ।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृशताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 31, हारीटन रोड प्लाट सी० डोर सं० 53/1 (प्रार० एस० सं० 359/12) में 2 गाउन्ड और 478 स्कूपर फीट की खाली भूमि।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 14-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

(1) श्री टी० एस० कृष्णामूर्ति और श्रादि।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269४(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अक्टूबर 1976

(2) श्री जी० विश्वनाथन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 4 / फरवरी/ 75-76 :—यतः, मुझे, जी० रामानाथन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, जो खान्द्राकटर आरम्भ मुदलि स्ट्रीट, वेलूर में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेलूर (पत्र सं० 520/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-2-1976 को को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

वेलूर, वसन्तपुरम, खान्द्राकटर आरम्भ मुदलि स्ट्रीट डोर सं० 1 में 8515 स्कूपर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रासयतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269४ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:—

तारीख : 14-10-1976

मोहर :

श्राई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती सरस्वती कुरियन् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जाकब कुरियन् ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 7/फरवरी/ 75-76 :—यतः, मुझे, जी०-  
रामानाथन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ये विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 11 है, जो हारीटन रोड, मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 94/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 4-2-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ठ विद्युत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-31, हारीटन रोड डोर सं० 11 (आर० एस० सं० 325/भाग) में 3870 स्क्युयर फीट गी खाली भूमि ।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 14-10-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

(1) श्री सी० रामस्वामी और आदि।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अक्टूबर 1976

निरेश सं० 49/फरवरी/ 75-76:—यत्, मुझे, जी०

रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विभास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 56/10,19 है, जो पुनर्गठन्डमपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेट्रोलियमपालयम (पत्र सं० 107/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1976 को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

(2) श्री मृत्तुसामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पात के अर्जन के लिए कायेवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकरण अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सेलम जिला, पुनर्गठन्डमपालयम एस० सं० 56/10, 19 में 4, 27 एकड़ खेती की भूमि (और 4/7 भाग—ज्ञाना और मोटार) और रोड सं० 1/3 भाग )।

जी० रामानाथन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रजन रेज-1, मद्रास

तारीख : 14-10-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० इस०————

(१) श्री श्रीनिवासरागवन ।

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा  
२६९-घ(१) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक १५ अक्टूबर १९७६

निवेश सं० ८४/फरवरी/ ७५-७६ :—यतः, मुझे, जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो नरेयानकुलम सिवन्दी-पट्टी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीविल्लीपत्तूर (पत्र सं० १२२/७६) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन फरवरी, १९७६ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा २६९-घ की उपधारा(१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(२) श्री एस० काटुराजा और आदि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की सामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सिवन्दीपट्टी, नरेयानकुलम एस० सं० २३ (२.३२ एकड़), १/३ बी० (१.६० एकड़) (२२ (१.१० एकड़), १२ (१.१८ एकड़), ४५ (०.३१ में १/४ भाग), २/बी०, (०.९८) ३३ (०.४० में १/३ भाग) और एस० सं० ५८/१—१.४५ एकड़, ५९/५ ए०—०.९३ एकड़, ५९/५ बी०—२.५१ एकड़, ५९/५ सी०—०.४४ एकड़, ५९/१ (ए०), और (बी०)—०.७६ एकड़ में १/४ भाग खेती की भूमि।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : १५-१०-१९७६

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री टी० दुलीप सिंह और सिन्तीया दुलिप सिंह  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 21/फरवरी/ 75-76 —यतः, मुझे, जी०  
रामनाथन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है।और जिसकी सं० 62 है, जो हारीटंन रोड, मद्रास-31 में  
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 216/76)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 21-2-1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं दिया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा- (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अष्टतः:—(2) श्री सबीहा जमाल  
(अन्तरिती)  
(4) श्री नुंगमबाबकम सास्वत  
दनरक्षक निदि लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिसके बारे  
में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मद्रास-31, हारीटंन रोड, डोर सं० 62 (ग्रार० एस० सं० 359/4 भाग) में 2 ग्राउन्ड की खाली भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 16-10-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सी० वेंकटाचलम और सुर्देशन श्रीनिवासन  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 22/ फरवरी/ 75-76—यतः, मुझे, जी० रामानाथन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', वहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आर० एस० सं० 154 है, जो वासु स्ट्रीट, मद्रास  
में स्थित है (श्रीर इससे उपावद भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 260/  
76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिपल के लिए इन्तरित की गई है श्रीर  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे अच्छने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः श्री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थत्:—

(2) श्री कान्तीलाल एच० वोरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

मद्रास -10, वासु स्ट्रीट, आर० एस० सं० 154 में एक  
ग्राउन्ड श्रीर 1240 स्क्युयर फीट की खाली भूमि।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)-  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 16-10-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 50 / फरवरी / 75-76 —पतः, मुझे, जी० रामानाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 21 है, जो रामस्वामी स्ट्रीट मद्रास में स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 1020/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के सायंत्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इन्द्रा और आदि

(अन्तरक)

(2) श्री एन० के० गनेश मुदलियार और एन० के० गोपल मुदलियार।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री सिंगारया चेट्टी

श्री सक्कारिया और मुकुन्दन

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अमुसूची**

मद्रास-1, रामस्वामी स्ट्रीट, डोर सं० 21 (आर० एस० सं० 3111) में एक ग्राउन्ड और 38 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामस्वामी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-१, मद्रास

तारीख : 16-10-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री जे० एच० तारापुर ।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री मगवनदास एम० खाखर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 51/ फरवरी/ 75-76 :—यतः, मुझे, जी० रामानाथन, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 293/ए० है, जो पूनमल्ली है रोड, मद्रास-29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 1046/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्येयितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 29, पूनमल्ली है रोड श्रीर डोर सं० 293/ए० (नथी टी० एस० सं० 8) में, 36 सेन्ट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपाधारा(1) के अधीन निम्नलिखित ध्येयितयों, अर्थात् :—

दिनांक : 16 अक्टूबर 1976

मोहर :

प्रस्तुति प्राइंटी टी० एन० एस० —————

(1) श्री आर० के० जावर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती श्रीकन्त एच० जावर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अक्टूबर] 1976

निदेश सं० 52/ फरवरी/ 75-76 :—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 22 सी० है, जो तिरुवोट्टीयूर रोड मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्र सं० 446/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रमाणित :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 81, तिरुवोट्टीयूर रोड प्लाट 22 सी० (एस० सं० 3538 और 3537/1) में 2 ग्रॅन्ड और 1840 स्क्युर फीट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-१, मद्रास

तारीख : 16-10-76

मोहर :

प्रलूप प्राईंट टी० एन० एस०————

(1) श्री वी० वी० कालिसामी गोउण्डर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 2840/75-76 :—यतः, मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 7/20, 7/21, और 7/22 स्टेट बैंक रोड, कोयम्बतूर (1/3 भाग) में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III, कोयम्बतूर (डाकू-मेण्ट 527) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1976 को पूर्खोंक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के बूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) सरया होटल्स प्राइवेट लिमिटेड (श्री एम० एन०-शिवकुमार के द्वारा )

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**रपब्लीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, स्टेट बैंक रोड, डोर सं० 7/20, 7/21, 7/22 में 1/3 भाग (टी० एस० नं० 1225)

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्रूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 2840/75-76 :—यतः मुझे, एस० राजरटनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कोयम्बतूर, स्टेट बैंक रोड, ओर सं० 7/20, 7/21, और 7/22 (2/3 भाग) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आरा० III कोयम्बतूर (आकुमेन्ट 528/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बहु के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उससे अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री वी० वी० कालिसामी गुण्डर,
- 2. श्री वी० के० आनन्दन;
- 3. श्री वी० के० सेलवकुमार ;
- 4. श्री वी० के० ज्ञान प्रकाशम ; और
- 5. श्री वी० के० प्रभाकर

(अन्तरक)

- (2) सत्या होटल्स पिरेवेट लिमिटेड (श्री एस० एन० शिवकुमार के द्वारा )

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

कोयम्बतूर, स्टेट बैंक रोड, ओर सं० 7/20, 7/21 और 7/22 में 2/3 भाग (टी० एस० सं० 1225 )

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600008, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 2947/75-76 :—यतः मुझे, एस० राजरटनम, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6/50 रेस कोर्स रोड कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II, मद्रास (डाकुमेण्ट 1057/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य प्राप्तियों को जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्तिष्ठान :—

(1) साउथ इंडिया आटोमोटिव कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)

(2) मेर्केण्टल केडिट कार्पोरेशन लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्बतूर, रेस कोर्स रोड, डोर सं० 6/50 (शान्ति निकेतन) में 10 ग्राउण्ड और 500 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (टी० एस० वार्ड सं० 1 सं० 323/1 बी० और टी० एस० सं० 942/2 और 950/1 (भाग) ।

एस० राजरटनम  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11-10-1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राईटी एनो एसो—

(1) श्री एसो एमो गोविन्दराज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एसो रामलिंगम श्रीर टी० एन० संकरन  
(अन्तरिती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 76

निवेद सं० 3524/75-76 :—यतः मुझे, एस० राजरत्ननम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 245 से 248 तक, तिरचि तुरैयूर रोड, तुरैयूर टंडुन में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तुरैयूर (डाकुमेण्ट सं० 157/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

### अनुसूची

तिरचि तालुका, तुरैयूर टंडुन, तिरचि तुरैयूर रोड, डोर सं० 245 से 248 तक भूमि और मकान (सर्वे वं० 366/5 और 366/16)

एस० राजरत्ननम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्रीमती डॉक्टर दिलारा वेगम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कायासिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास 600006

मद्रास-600006 विनांक 13 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 2083/75-76 :—यतः मुझे, एस० राजारतनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 190, द्विपलीकेन है रोड मद्रास-5 (खाली भूमि) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, द्विपलिकेन (डाकुमेण्ट 90/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-2-1976

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् :—

(2) श्रीमती डॉक्टर जूबेदा वेगम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

(1) मद्रास, द्विपलिकेन है रोड, आर० एस० सं० 2770/1 में 750 स्कूयर फीट की भूमि ।

(2) मद्रास, द्विपलिकेन है रोड, आर० एस० सं० 2770/1, में 2670 स्कूयर फीट की भूमि ।

एस० राजारतनम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 13-10-76

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती रोस मेरि लोबो और श्री जोसफ विलियम लोबो।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती लीला बाय।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II

123, मांड रोड मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 5089/75-76:—यतः मुझे, एस० राजारत्नम, प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है भी अधिक है,

और जिसकी सं० 503 ए० पूनमलि है रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में घूर्णन रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरसवाम्बम (डाकुमेण्ट 252/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरितों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—316जी०आई०/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, पूनमलि है रोड, डोर सं० 503 ए० (टी० एस० सं० 20/10) में 2 ग्राउन्ड और 1653 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजारत्नम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-, मद्रास

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

(1) श्री एम० सिटि पी० मुतैया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग

(2) श्री आर० एम० अशामलै ।

(अन्तरिती)

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II

123, माउंट रोड, मद्रास 600006

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 5108/75-76:—अतः मुझे, एस० राजारतनम्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अधिकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7/8 लेख, केसल नार्थ स्ट्रीट, मद्रास -28 (2.5 ग्राउण्ड) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०, मद्रास नार्थ (डाकमेण्ट 866), में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीष्म ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधा, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मद्रास 28, लेख केसल नार्थ स्ट्रीट, सं० 7/8 में 2.5 ग्राउण्ड की भूमि (सर्वे सं० 4573/4 सी० (भाग) ।

एस० राजारतनम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० सिटि पी० मुतेया।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० चन्द्रमौलि।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II

123 माउंट रोड मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 5108/75-76:—यतः मुझे, एस० राजारतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 7/8, लेख केसल नार्थ स्ट्रीट, मद्रास (2.5 ग्राउण्ड की भूमि) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०I, मद्रास नार्थ (डाकुमेन्ट 867) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 28, सान्तोम, लेख केसल नार्थ स्ट्रीट सं० 7/8  
में 2.5 ग्राउण्ड की खाली भूमि (सर्वे सं० 4573/4 सी०/भाग)।

एस० राजारतनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्ररूप शाई० टी० एन० एस० -----

(1) श्री एम० सिटि पी० सिद्धबरम ।

(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० राजू चेट्टि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

123, मांडंट रोड, मद्रास 600006

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 5108/75-76 :—यतः मुझे, एस० राजारतनम् ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ओर जिसकी सं० मद्रास-28, 7/8 लेख केसल नार्थ स्ट्रीट (2.5 ग्राउण्ड की भूमि) में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, मद्रास नार्थ (डाकुमेण्ट 868) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ओर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ओर अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यापक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ओर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० राजारतनम्  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, मद्रास

अतः, यद्युक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-10-1076

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

(1) श्री एम० सी० टी० पी० सिद्धम्भरम् ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० लोगनातन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II,

123, मॉडल रोड मद्रास 600006

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 5108/75-76:—यतः युमे, एस० राजारत्नम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 7/8 लेख केसल नार्थ स्ट्रीट, मद्रास-28  
(2.5 ग्राउन्ड की खाली भूमि) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप है वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I, मद्रास नार्थ (डाकुमेन्ट 869)  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और भूमे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-28, सात्तोम, 7/8, लेख केसल नार्थ स्ट्रीट में 2.5  
ग्राउन्ड की खाली भूमि (सर्वे सं० 4573/4 एच०)।

एस० राजारत्नम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० छो० कपाड़िया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ओ० एम० प्रकाश शर्मा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,  
123, माऊंट रोड, मद्रास 600006  
मद्रास, दिनांक, 11 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 5108/75-76:—यतः मुझे, एस० राजारतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ओर जिसकी सं० 7/8 लेख केसल नार्थ स्ट्रीट, मद्रास-28 [4.4 ग्राउन्ड की भूमि (मकान के साथ)] में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I मद्रास नार्थ (डाकमेन्ट 870/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है ओर अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, धर्षतः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरांचल व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों ओर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-28, सान्तोम, लेश केसल नार्थ स्ट्रीट, सं० 7/8 में 4.4 ग्राउन्ड की भूमि (मकान के साथ) (सर्वे सं० 4573/4-जी)।

एस० राजारतनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एम० वेंकटाचलम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० एल० पलनियप्पन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

123, माउंट रोड मद्रास 600006

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 5108/75-76:—यतः मुझे, एस० राजारत्नम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7/8 लेख केसल नार्थ स्ट्रीट, मद्रास-28 (2.35 ग्राउन्ड की खाली भूमि) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1 मद्रास नार्थ (आकुमेण्ट 871) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख करवारी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-28, 7/8 लेख केसल नार्थ स्ट्रीट में 2.35 ग्राउन्ड की खाली भूमि (सर्वे सं० 4573/4 हॉ/भाग ।

एस० राजारत्नम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्र० प्र० आई टी० एन० एस०—

(1) श्री काशिनाथ गेटनो ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० पी० रामनाथन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,

123, मार्केट रोड, मद्रास 600006

मद्रास, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 5108/75-76:—यतः मुझे, एस० राजारत्ननम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उचित अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास, सान्तोम, 7/8 लेख केसल नार्थ स्ट्रीट (2.5 ग्राउन्ड) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जै० एस० आर० 1 मद्रास नार्थ (डाकुमेन्ट 872) में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1976 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसीं व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-28, सान्तोम, 7/8 लेख केसल नार्थ स्ट्रीट में 2.5 ग्राउन्ड की खाली भूमि (सर्वे सं० 4573/4 जी० भाग)।

एस० राजारत्ननम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० .....

(1) श्री श्री० ए० ए० आनन्द बतमनावन चेट्ठियार  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर 76

निवेश सं० 5114/75-76—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13, बीट क्राफ्टस रोड, नुगम्बाक्कम, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (डाकुमेन्ट 243/76) में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11—31 जी० आई० 76

- (2) 1. श्रीमती पी० एल० मीनाक्षी आचि
- 2. श्रीमती सी० मुतायी ;
- 3. श्रीमती जी० पेरियाल;
- 4. श्री आर० एम० तियागराजन ;
- 5. श्रीमती आर० एम० कल्यानी आचि;
- 6. श्रीमती एल० गनिक
- 7. श्री एस० राम॒

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिरे जा सकेंगे ।

**इष्टटीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, नुगम्बाक्कम, बीट क्राफ्टस रोड, डोर सं० -13 में 11 ग्राउन्ड और 89 स्क्युर फीट की भूमि ।

(आर० एस० सं० 533/11 और 533/15)

एस० राजरटनम  
(सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 11, मद्रास

तारीख : 13-10-76

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 5153/75-76:—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सदम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिरका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 7 श्रीनगर कालनी मद्रास-15 में स्थित है और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर० II, मद्रास (डाकुमेन्ट 447) में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरबः (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में अस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी व्याय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थतः—

(1) श्री आय० शिवकुमार, आर० ईस्वरन और श्रीमती श्री० के० पट्टम्बाल (अन्तरक)

(2) श्री एस० वी० कृष्णन और श्रीमती मंगल कृष्णन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बू या इसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मद्रास, श्रीनगर कालनी, डोर सं०-7 (टी० एस० सं०-26)  
में भूमि और मकान।

एस० राजरटनम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-10-1976

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एम०एस०—

(1) श्रीमती तिलगवती अम्माल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 5242/75-76—यतः मुझे, एस० राजरटनम्  
आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 11, रागवन्या रोड, है मद्रास-17 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट  
79/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायित्व में कभी करने  
या उससे वक्तने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

मद्रास-17 टी० नगर, रागवन्या रोड, डोर सं० -11 में  
भूमि और मकान।

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
अहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

एस० राजरटनम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-10-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० 14२/७६-७७/एव्यू० :—यतः, मुझे, पी०-  
सत्यनारायण राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब,  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 196/2 है, जो रायचूर जिला के  
गंगावती में स्थित है (और इससे उपाधाद अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंगावती  
लाक्युमैट नं० 2007 और 960 के अन्तर्गत 10-2-1976,  
16-8-1976 (संशोधित) के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षी  
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपषारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ईलूर बेंकटपनियेपा और उसके पुत्र

1. मुम्बया (2) नारायणपा (3) कृष्णच्छा, व्यापारी,  
गंगावती।  
(अन्तरक)

(2) श्री एम० नागपा व्यापारी, गंगावती जिला रायचूर।  
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—'

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अमुसूची

रायचूर जिले के गंगावती में स्थित सर्वे नंबर 196/2 का  
विन शेतकी खुला जगह जो मूल रजिस्ट्री किया हुआ डीड के  
अनुसार (दि० 10-2-1976) 31 गुणे है और दि० 16-8-1976  
के विन संशोधित रजिस्ट्री किया हुआ डीड के अनुसार 24½  
गुणे है।

पी० सत्यनारायण राव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्रस्तुत प्राईटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेंज, धाराबाड़

धाराबाड़, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० 143/76-77/एस्य०:—यतः मुझे, पी०  
सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है  
और जिसकी सं० घरनं० 234/1 है, जो पी० जे० विस्तीर्ण,  
5 वार्ड, डावणगेरे में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
डावणगेरे डाकुमेण्ट नं० 4297 के अन्तर्गत 21-2-1976 के  
दिन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के प्रधीन,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 वा (1) के प्रधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधार्ता :—

(1) श्री सीता रामाचार पांडुरंगी पावती के पुत्र  
1. श्री वेद व्यासाचार (2) श्री आर० वी० पांडुरंगी  
3. श्री नारायणाचार वी० पांडुरंगी।  
सन्मी पी० जे० विस्तीर्ण डावणगेरे केरहवासी  
(अन्तरक)

(2) श्री टी० एस० सुरदेवराज की पत्नी श्रीमती टी० एस०  
कान्चनमाला पी० जे० विस्तीर्ण डावणगेरे  
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पी० जे० विस्तीर्ण, 5 वार्ड, डावणगेरे में स्थित रहने का घर  
जिसका औरनं० 234/1 है।

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेंज, धाराबाड़

तारीख : 6-10-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यक्रम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाह

धारवाह, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० 144/76-77/एक्यू०:—यतः, मुझे, पी०  
सत्यनारायण राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा  
गया है की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सी० सं० नं० 281 है, जो आवणगेरे तालुक  
के हृदकी ग्राम में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आवणगेरे डाक्युमेंट नं० 4195 के अन्तर्गत 12-2-1976 के  
दिन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्त, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्री मार्गान हल्ली गुड्डपा के पुत्र श्री एम विक्रिप्पा  
और (2) मालतेज (3) रमेश (4) सुरेण मैनर  
गार्डीन श्री एम० विक्रिप्पा, हृदडी ग्राम, तालुक  
आवणगेरे के रहवासी

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एस० विरुपाक्षपा मार्केत मैसर शामनूर  
भर्गपा एण्ड सन्स विजय लक्ष्मी गोड आवणगेरे  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधिया, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तस्थी

हृदडी ग्राम, आवणगेरे तालुक में स्थित खेत जिसके सी० एस०  
नंबर 281 है और जिसका विस्तीर्ण तीन एकड़ है।

पी० सत्यनारायण राय  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1, धारवाह

तारीख : 6-10-1976

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269श  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निदेश सं० 145/76-77/एक्य०—यतः, मुझे पी०  
सत्यनारायण राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सी० एस० नं० 281 है, जो हृदड़ी ग्राम, डावणगेरे तालुक में स्थित है (और इससे उपावन्द श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डावणगेरे, डाकुमेंट नं० 4194 के अन्तर्गत 12-2-76 के दिन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269श के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मागानहल्ली गुड्डपा के पुत्र श्री एम० गुड्डपा  
(2) सोम बोखरपा  
(3) श्री वेंकटेश  
(4) मूर्ती मैनर गार्डीयन पिता श्री एम० गुड्डपा।  
हृदड़ी ग्राम डावणगेरे, तालुक।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एस० बसर्थलिंगपा  
मार्फत मैसर्स शमनूर संगपा, एण्ड मन्स  
विजयलक्ष्मी रोड डावणगेरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ की सी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के दर्शापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

हृदड़ी ग्राम डावणगेरे तालुक में स्थित खेत जो 6 एकड़ और 36 गुणे का है और जिसके सी० एस० नं० 281 है।

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 6-10-76

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़ दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निर्वेश सं० 146/76-77/ए० सी० क्य०—यतः मुझे पी० सत्यनारायण राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सैट नं० 226-बी और डोर नं० 2807 (पुराना) 2524 (नया) है जो डावणगेरे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय डावणगेरे डाक्युमेंट नं० 4361 के अन्तर्गत 25-2-76 के दिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अवति :—

1. श्री टी० निष्पाणा के पुत्र श्री भी० टी० सोभाणा प्रेसिडेंट बैंगलूर डेवलपमेंट अथारिटी, बैंगलूर और उसकी पत्नी श्रीमती अनन्पूर्णमा। (अन्तरक)

2. श्री जी० शरभणा द्वारा/ मैसर्स गौडर शिवलिंगप्पा गुरुपादप्पा विजयलक्ष्मी रोड, डावणगेरे।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य का;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अवित्य अवित्य का, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

V बार्ड एम० सी० सी० लफ्लाक, डावणगेरे में स्थित 59 1/2' 60' विस्तीर्ण जगह में खड़ा आर० सी० सी० घर जिसके सैट नं० 226/बी और 227/बी है।

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, धारवाड़

तारीख : 6-10-76.

मोद्दर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भारतवाड़

भारतवाड़, दिनांक 6 अक्टूबर 1976

निवेश सं० 147/76-77/ए० सी० क्य०—यतः मुझे, पी० सत्यनारायण राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट नं० 87 और डोर नं० 537/1 है, जो पी० जे० विस्तरण, आवणगेरे में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डावणगेरे में डाक्युमेंट नं० 4554 के अन्तर्गत भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18 मार्च 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

12-316 जी आई/76

1. विवंगस मल्लपा की पत्नी श्रीमती एस्सम्मा, पलसी स्ट्रीट, मैन रोड, बंगलूर। (अन्तरक)

2. श्री के० एस० गोपालकृष्ण सेट्टी, द्वारा मैसर्स ओरिएन्टल एंजेसीस, म्युनिसिपल बाच टट्टर के पास, डावणगेरे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अंतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंतर उक्त रथावर संपत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकें।

उपस्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

V वार्ड, प्रिन्स जयचमाराज बोडेयर विस्तरण, आवणगेरे में स्थित घर, जिसका डोर नं० 2036 (पुराना) 537/1-2 (नया) है।

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्रधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भारतवाड़

तारीख: 6-10-76

मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० 148/76-77/ए० सी० क्य०—यतः मुझे पी० सत्यनारायण राव सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, धारवाड़

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सैट नं० 87 और डोर नं० 537/1-2 (नया) है, जो पी० जे० विस्तरण है डावणगेरे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डावणगेरे में (डाक्युमेंट नं० 4553 के अन्तर्गत) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृथमान प्रतिफल से ऐसे दृथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. दिवंगत मल्लप्पा की पत्नी श्रीमती एलम्मा, अलम्बुर चौक, पलसी स्ट्रीट, मेन रोड, बंगलोर।

(अन्तरक)

2. श्री के० एस० गणेश सेट्टी,  
द्वारा/ मैसर्स ओरियन्टल एजेंसीज  
म्युनिसिपल वाच टाउर के पास, डावणगेरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**इष्टाकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

V वार्ड, जयचामराज बोडेयर विस्तरण, डावणगेरे में स्थित घर जिसका डोर नं० 2036 (पुराना), 537/1-2(नया) और सैट नं० 87 है।

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 6-10-76

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़  
धारवाड़, दिनांक 6 अक्टूबर, 1976

निर्देश सठ० 149/76-77/ए० सी० क्य०—यतः मुझे, पी० सत्यनारायण राव सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, धारवाड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० धरनं० 191 /5+6+7+8 (नया) है, जो सुभाष रोड, डावणगेरे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डावणगेरे में (डाक्युमेंट नं० 4645 के अन्तर्गत) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26 मार्च, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के साधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैंसर्स बादामी शिवबसपा एंड सन्स,  
मैसूर बैंक रोड, डावणगेरे उसके भागीदार से प्रतिनिधित्व श्री एन० सी० बादामी  
(2) श्री सी० एन० बादामी  
(3) श्री एस० एन० बादामी (अन्तरक)

## 2. श्री एन० कृष्णमूर्ती के पुत्रः

- (1) एन० के० शंकरराव
- (2) एन० के० प्रभाकर
- (3) एन० के० सुरेश
- (4) एन० के० रमेश
- (5) एन० के० विवेकानन्द
- (6) मास्टर एन० के० नटराज मनर गार्डीनर श्री एन० कृष्णमूर्ती  
सभी के० बी० एक्स्टेनशन, डावणगेरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

IV सुभाष रोड, डावणगेरे में स्थित जगह जिक्सा विस्तीर्ण 980 चदर गज है और उसमें स्थित आर० सी० सी० घर जिसके नं० 152/25' 26, 27, 28, 29 पुराना, 191/5+6+7+8 (नया) है।

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, धारवाड़  
दिनांक 8-10-76  
मोहर :

प्रह्लृप आई० टी० एन० एस०—

(१) श्री भीमराव के पुत्र श्री के० प्रलहृद राव डाक्टरगोरे  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की

धारा २६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक १५ अक्टूबर १९७६

निर्देश सं० १५०/७६-७७/एक्यू०:—यतः, मुझे, पी० सत्य-

नारायण राव,  
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा २६९-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-  
रुपए से अधिक हैश्रीर जिसकी सं० है, जो जयचामराजेंद्र विस्तरण,  
चिन्नदुर्ग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण  
रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिन्नदुर्ग<sup>ा</sup>  
डाक्युमेंट नंबर ३३२१ के अन्तर्गत २-२-१९७६ के दिन में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; श्रीर/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

जयचामराजेंद्र विस्तरण, चिन्नदुर्ग में स्थित घर

पी० सत्यनारायण राव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, धारवाड़असः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की जपवारा  
(१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रस्तुत:—

तारीख : १५-१०-१९७६

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 15 अक्टूबर 1976

निवश सं० 151/76-77/एक्य० :—यतः, मुझे, पी०-

सत्यनारायण राव,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 134 है, जो शिमोगा जिले के हसुडी ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमोगा डाक्यु-मेंट नंबर 3291 के अन्तर्गत 21-2-1976 के दिन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सीतारामया के पुत्र श्री पी० गुरुमूर्ती फ्लैट टावर वर्क के मालिक  
 रबीन्द्रनगर, शिमोगा

(प्रन्तरक)

(2) श्री एम० वी० वेंकटराव की पत्नी श्रीमती कमलाबाई हसुडी ग्राम निविंगे होबली तालूक और जिला-शिमोगा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

शिमोगा तालूक के हसुडी ग्राम में स्थित खेत जो आठ एकड़ का है और जिसके सर्वे नंबर इस प्रकार के हैं।

सर्वे नं०	ब्लॉक नं०	क्षेत्र
		ए० गू०
134	57	2-00
134	58	2-00
134	59	2-00
134	60	2-00

पी० सत्यनारायण राव  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज धारवाड़

तारीख : 15-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

( १ ) श्री शिवाजी मालवीय एवं अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९ घ(१) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन थोक, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक ४ अक्टूबर, १९७६

निवेश नं० ७१-ए० /अर्जन :—भतः मुझे, अमर सिंह विसेन  
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
दृष्टके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा २६९ घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन खसरा नं० २१७४/१३/१ है, तथा  
जो ग्राम कनीसी त० व जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपर्युक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी  
के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८  
का १६) के अधीन, तारीख ७-२-१९७६

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या बनकर  
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९ घ के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा २६९ घ की उपबारा  
(१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

( २ ) आषुतोष सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा  
श्री ठाकुरदत्त पांडे, मंत्री

(अन्तरिती)

( ३ ) बिक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

( ४ ) बिक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्यों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्थावीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय २० के यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन खसरा नं० २१७४/१३/१ आदि जो कि ग्राम कनीसी,  
तहसील व जिला लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह विसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : ४-१०-७६

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस० —

ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, आयुर्वेदिक अस्पताल बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड,,  
बंबई.. 400002.

बंबई, दिनांक 13 अक्टूबर, 1976

निवास सं० अद्द०-१/१५२८-१४/फरवरी-७६—ग्रतः मुझे,  
जी० ए० जेस्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 588 (पार्ट) का माहिम छिवीजन है तथा जो गोपी टैक रोड में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

3-2-1976

पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बूथमान प्रतिफल से, ऐसे बूथमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवश्यकता, उक्त अर्थ नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती मधुरा बाई डी० अनन्त कोर (अन्तरक)

(2) श्री एम० एम० मजीधिया, (2) देवराज घार्ड (3)

देवेन्द्र डी० घार्ड, (4) के० जी० जखिया और जे० वी० नागदा (अन्तरिती)

(3) 1. श्री पुन्डलिक एम० रावल (2) श्री एस० एम० क्रस्तो 3. श्रीमती रोसे एन० बारीतो 4. श्रीमती मालती शार० नाडकर्णी 5. श्रीमती कविता जे. चावला 6. श्री इ० सी० डी० 'सील्वा' और श्रीमती इनाचिना डी० सिल्वा' 7. श्रीमती एस० य० कुलकर्णी 7. श्री

य० बी० कुलकर्णी 9. श्री अमृत लाल जे० देविया 10. श्रीमती दयामन्ती जी० भाटिया 11. श्रीमती कलाबाई० एच० रामानी 12. श्रीमती वाई० डी० काशिसागर 13. श्रीमती जानकीबाई० रावजी मोरे 14. श्री बी० एस० दलवी० 15. श्री पी० ए० पाटिल 16. श्री पी० एस० पाटिल 17. श्री एस० ए० दलवी० 18. श्री एम० जी० दलवी० 19. श्री डी० सी० रौल 20. श्रीमती केशरबाई० के० पाटिल 21. श्रीमती चन्द्रबाई० जाधव 22. श्री भास्कर के० बिरजे 23. एम० डी० बोलैकर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितरणों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाष में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोत्तर व्यवितरणों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मध्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्ठानीकरण:**—इसमें प्रयोग स्तरों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमृसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग और पर खड़ी वाड़ियों, किराए के आवासों और निवास घरों सहित, जो टाउन प्लानिंग स्कीम, बंबई नगर-3, (माहिम क्षेत्र) के काइनल प्लाट नं० 282 को मिलाकर माप में 582 वर्गमील यानी 487 वर्ग मीटर के लगभग बराबर है और भूराजस्व कलक्टर के रिकाई में पुराने नम्बरों 33 व 33 ए के हिस्सों के बने मेल प्लाटों के दो भागों को शामिल किये हुए हैं, सी० एस० नं० 588 भाग, माहिम डिवीजन में, मोगल लेन पर गोपी टैक रोड पर मीजूद है, जो ग्रब पोस्ट अफिस लेन कहलाता है और लेडी जमशेद जी० रोड, से हटकर अपर माहिम में है, तथा बंबई नगर व उपनगर रजिस्ट्री उप-जिले हैं तथा इस प्रकार धिरा हुआ है कि उत्तर की ओर कथित मोगल लेन और उसके आगे कथित टाउन प्लानिंग स्कीम का आखिरी प्लाट नं० 334, दक्षिण की ओर कठित टाउन प्लानिंग स्कीम का प्लाट नं० 283, पूर्व की ओर मसालाबाले को० आप० हाउ० सोसायटी की संपत्ति जिसका आखिरी प्लाट नं० 281 उसी स्कीम के तहत है, पश्चिम की ओर 40 फीट की प्रस्तावित सड़क और उसके आगे कथित टाउन प्लानिंग स्कीम का प्लाट नं० 286 है।

जी० ए० जेस्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बंबई

तारीख : 13 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन०एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 आयुर्वेदिक अस्पताल बिर्लिङ, नेताजी सुभाष रोड,

बंबई.. 400002.

बंबई, दिनांक 13 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अश०-1/1529-15/फरवरी-76:—अतः मुझे,  
जी० ए० जेस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नया एस० 1/7621 (पार्ट), सी० ए०  
नं० 119, भालबार और कंबला हिल डिवीजन है तथा जो बान-  
गंगा और रोड रोड में स्थित है (और इससे उपावझ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 4-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ही यि सी श्राय की वाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आथकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, प्रथाति :—

- (1) श्रीमती भानुमति मैनसन करसनदास और श्री रविन्द्र  
नाथ एम० करसनदास . (अन्तरक)
- (2) श्री हरिश चन्द्र वी० जालीबाला (2) रंजीत एच० जाली-  
बाला, और (3) दिलीप एच० जालीबाला (अन्तरिती)
- (3) 1. पुष्पावती फूलचन्द शाह  
2. मुमनलाल वी० श्रोफ  
3. डी० जी० गंदेवीबाला  
4. आर० डी० साथंत  
5. श्रीमती प्रवीना कांती शाह  
6. श्रीमती सविताबेन जगर्जीवनदास  
7. अरविंद सी० शाह

8. पी० आह० मेहता

9. एम० के० मन्त्री

10. हरिशचन्द्र वी० पारिख

11. श्यामजी मूलजी

12. ज्योतिश तिवेदी

13. पी० नायर

14. नर्सी करमन

15. संकठाप्रसाद रामसाला

16. शांतीदेवी गयाप्रसाद शर्मा

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबझ  
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधिहस्तकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

स्वामित्व की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग,  
उस पर खड़ी बाड़ियों, किराए के आशासों या निवास घरों सहित,  
जो बानगंगा कास रोड पर, बालकेश्वर में बंबई नगर या उपनगर  
जिले में और रजिस्ट्री उप-जिले में बंबई नगर और डीप में, मौजूद  
पड़ा हुआ है। माप में 328. 58 वर्गमीटर है किन्तु केडेस्टल सर्वे  
रिकार्ड के अनुसार 339. 98 वर्गमीटर है जो 406. 54 वर्गमीटर  
या उसके लगभग होता है, और जो भूराजस्थ क्लक्टर के यहां  
नये सर्वे नं० 1/7261 (भाग) व मलबार कम्बला हिल डिवीजन  
का केडेस्टल सर्वे नं० 119 और म्यूनिसिपल रेट्स एण्ड टेक्सेज  
के क्लेक्टर के यहां डी० बार्ड नं० 3077 व 3077(1) व पुराने  
स्ट्रीट नं० 13 व 13 ए और नये स्ट्रीट नं० 2 व ए० 2 के अन्तर्गत  
दर्ज है तथा इस प्रकार घिरा हुआ है कि पूर्व और बानगंगा कास रोड,  
पश्चिम की ओर अंशतः जीवनलाल करसनदास की मंदिर सम्पत्ति  
और अंशतः सुधीलालाई मानसेन करसन दास की सम्पत्ति, उसर  
की ओर वह रास्ता जिसका नाम श्रब बानगंगा रोड और बानगंगा  
की ओर जाता है और दक्षिण की ओर गंगा लहरी की संपत्ति है।

जी० ए० जेस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बंबई

तारीख : 13 अक्टूबर, 1976

मोहर :

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व  
(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
कार्यालय अर्जन रेज 1  
बंबई, दिनांक 13 अक्टूबर, 1976

निर्देश सं० अ० इ० 1/1535-21/फर०-76:—ग्रन्त: मुझे,  
जी० ए० जेम्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 504 का मञ्चगांव डिवीजन है तथा जो माथर पाकड़ी रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवधि उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आज, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः—

(1) श्रीमती खोरेश्वर के० एस० सेथना, (2) के० एस० सेथना और (3) श्री रोहितन पी० जामभूशरवाला (अन्तरक)

(2) श्री मानकेश्वर प्रसाद को० आप० हाउ० सो० लि० (अन्तरिती)

(3) 1. पांडुरंग नारायण कोकते 2. रीतनबाई गंगजी और वसंती लाल गंगजी 3. देवजी मोनशी 4. मानजी खेतसी 5. प्रेम सिंह नरायण सिंह 6. प्रेमजी वेलजी 7. शा सामजी कानजी 8. शिवजी नागसी और गनजी नागसी 9. उत्तम मिकाजी कदम 10. राजाराम हरी मसूर कार 11. यशवंत नारायण काम्बली 12. मिकाजी नारायण टंडेल 13. विस्त बच्चरिंह 14. गनपत वासुदेव सर्वे 15. गोविंद हरिश्चन्द्र रेवेन्दकर 16. दत्ता राम शिवराम हडकर 17. शंकुण सखाराम सावंत 18. शंकर अबाजी राने 19. शंकर कृष्णजी मोरे 20. महादेव कृष्णजी पवार 21. जगन्नाथ शिवराम - चुरुमरे 22. श्रीमती उमाबाई रावजी घाझी। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

**पहला:**—पेशन और टैक्स की जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी वाड़ियों, किराए के आवासों निवास घरों या बंगला सहित, जो माथर पाखड़ी रोड के दक्षिण में, बंबई फोर्ट के बाहर, बंबई रजिस्ट्री उप-जिले में भौजूद पड़ा हुआ है, माप में 2648 वर्गमीट या 2214 वर्गमीटर के लगभग है, भूराजस्व कलक्टर के रिकार्ड पुराने नं० 14, नये नं० 16238, पुराने सर्वे नं० 18, नये सर्वे नं० 1/370 के अन्तर्गत वर्ज है, तथा जमीन असेस-मेट कलक्टर द्वारा ई०-वार्ड नं० 5829, 5831 व स्ट्रीट नं० 1 और नये 'ई० वार्ड नं० 5831 (1) (1ए०) (2) व स्ट्रीट नं० 21, 214, 23-23-डी० के अधीन निर्धारित होती है तथा ई०-वार्ड नं० 5828 (2) स्ट्रीट नं० 21 ए०-21 ई०, माथर पाखड़ी रोड है तथा इस प्रकार घिरा हुआ है कि पूर्व की ओर सोराब जी वादाभाई वाक्स्तर और शावकशा दादाभाई वाक्स्त की सम्पत्ति, पश्चिम की ओर अंशतः गोकुलदास माधवीजी की संपत्ति और अंशतः सफाई कर्मचारियों का आग्रा रास्ता, उत्तर की ओर माथर पाखड़ी रोड, और दक्षिण की ओर पेस्टनजी नसरबान जी गोदी-वाला की संपत्ति और अंशतः गोकुलदास माधव जी की संपत्ति और इस जमीन का कडेस्ट्रल सर्वे नं० 504, मञ्चगांव डिवीजन का है, इमारत के रूप में किराए के आवासों सहित, जो किराएदारों के बखल में हैं।

**दूसरा:**—सरकारी जमीन मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो माथर पाखड़ी रोड के पास मञ्चगांव में, बंबई फोर्ट के बाहर रजिस्ट्री उप-जिले में भौजूद है, माप में 718 वर्गमीट या 600. 31 वर्गमीटर के लगभग है और इस प्रकार घिरा हुआ है कि उत्तर व पूर्व की ओर अंशतः, दक्षिण की ओर वह संमति जो पट्टे पर है और पट्टेदार के दखल में है, जिसका नया सर्वे नं० 1/3701 है, पश्चिम की ओर और अंशतः दक्षिण की ओर रघुनाथ घोरह को पट्टे पर या उनके दखल वाली संमति की चहार दिवारी है जिसका नया सर्वे नं० 3702 है और बंबई के कलक्टर द्वारा पुराने नं० 'कुछ नहीं' नये नं० 17225, पुराने सर्वे नं० 17, नये सर्वे नं० 2/3701 और वार्ड वार्ड नं० 5828 (2) व 5829 और स्ट्रीट नं० 21, कडेस्ट्रल सर्वे नं० 504, मञ्चगांव डिवीजन है, उस इमारत सहित, जो किराए वारों के दखल में हैं।

जी० ए० जेम्स  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1 बंबई

तारीख : 13 अक्टूबर, 1976  
मोहर :

प्रख्याप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोशीन-16, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० एल० सी० 84/76-77:—यतः मुझे, एस० एन०-  
चन्द्रचूतन नायर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात् :—

(1) (i) टी० बी० सुब्रमणिया अव्यर, (ii) टी० एस० विश्वानाथन (iii) टी० एस० कल्याण कृष्ण (iv) टी० एस०-परमेश्वरम (मैनेरस टी० बी० सुब्रमणिया अव्यर के द्वारा)। (अन्तरक)

(2) (i) आनी ऐसक, (ii) जेकब ऐसक (iii) अनुपमा सूसन (4) कुकुमरिया ऐसक (मैनेरस-ऐसक चाक्को के द्वारा)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यविधयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यविधयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० एन० चन्द्रचूतन नायर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) (i) श्री मात्यु (ii) कुश्विल्ला (विलयलक्ष्मी श्रोपिल  
इन्डस्ट्रीज लिमिटेड के लिए )  
(अन्तरक)ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना(2) (i) श्री मुरलीधरन नायर (ii) स्क्रीकुमारि अम्मा।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोषीन-16, दिनांक 12 अक्टूबर 1976

निदेश सं० एल० सी० 85/76-77:—यतः मुझे, एस० एन०-  
चन्द्रचूटन नायर,ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोट्यम जिला  
में स्थित है (और इससे उपायकरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोट्यम (अडीशन)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के प्रधीन, 16-2-1976को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;ग्रसः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपस्थाता (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

2 acres 67.367 cents of land with unfinished buildings in  
Sy. Nos. 133/5, 135/8/2, 135/9 in Vijayapuram village in  
Kottayam District.एस० एन० चन्द्रचूटन नायर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-10-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमति वै० सुशीला देवी, विजयवाड़ा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

सं० आर० ए० सी० एक्य० फाइल 368:—यतः मुझे, बि० बि० सुम्माराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-6-32, अबदुल अजीम वादि, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कष्टित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) 1. श्री जी० वेंकटसुब्बाराव  
2. एन० विज्ञव्या, विजयवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

विजयवाड़ा रिजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अन्त 15-2-76 पंजीकृत दस्तावेज नं० 684/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बि० वि० सुम्माराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 12-10-76

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती वि० कस्तुरी बाई लन्निपेटा, विजयवाड़ा।

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

(2) चि० उषारानी, इन्दूपल्ली

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

सं० आरा० ए० सी० एक्यु० फाइल नं० 369:—यतः मुझे,  
वि० वि० सुम्बारावआयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,और जिसकी सं० 26-2-28 है जो साबमूर्ती रोड,  
विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 12-2-1976 को पूर्वोक्तसम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मे  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वि० कस्तुरी बाई लन्निपेटा, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) चि० उषारानी, इन्दूपल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित  
में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 15-2-76  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 664/76 से निगमि अनुसूची सम्पत्ति ।वि० वि० सुम्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज काकिनाडा

तारीख : 12-10-1976

मोहर :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती वि० कस्तुरी बाई लक्ष्मिपेटा, विजयवाड़ा  
(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 12 अक्टूबर, 1976

यतः मृगे, वि० वि० सुब्बाराव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 26-2-28 है, जो साबमूरती रोड, विजय-  
वाड़ा, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, 12-2-1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृगे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्हि किसी आय की आबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

(2) वि० वेंकटारामाप्रसाद, इन्दूपल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-2-76  
पंजीकृत दस्तावेज नं० 663/76 में निगमि अनुसूची सम्पत्ति

वि० वि० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, काकिनाडा

प्रतः अब उक्त, अधिनियम, की धारा 269 ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की  
उपषारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 12-10-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 अक्टूबर 1976

निर्देश नं० अर्जन/32-ए०/ देहरादून/76-77/1644:—अतः  
मुझे, विजय भार्गवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार  
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-

1976  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बूज रानी पत्नी श्री ए० के० बख्शी निवासी  
82, राजपुर रोड, देहरादून (2) श्री बूजमोहन  
पुत्र श्री जयकिशन वास निवासी फगबाड़ा (पंजाब)  
वर्तमान पाली राजस्थान द्वारा मुख्तार आम श्री औतार  
किशन बख्शी।  
(अन्तरिती)

(2) मैसर्स नव चित्र कोओपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
लिमिटेड आफिस 11, कोलागढ़ रोड, देहरादून  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा नं० 115 एम० भूमि का टुकड़ा (आधा  
भाग) रकबा 3605.5 वर्गगज स्थित कनवनी परगना सैन्दूल-  
दून, देहरादून, 32,000)रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भार्गवा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 7-10-1976

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अक्टूबर 1976

निदेश नं० 82/अर्जन/ गाजियाबाद/76-77/1643:—अतः  
मुझे, विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद,  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 21-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ड्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यापिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरेश कुमार पुष्प सलेक चन्द्र सिंघल, नि० 13  
रामतेराम रोड गाजियाबाद मुख्ताराम श्रीमती  
कस्तूरीदेवी पत्नी सलेक चन्द्र सिंघल

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार गोयल पुष्प श्री वेद प्रकाश गोयल  
निवासी राधापुरी हापुड़ जि० मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

अन्तर सम्पत्ति प्लाट नं० 37 जिसकी माप 1285 वर्ग-  
गज है जो सलेक चन्द्र कालोनी नेहरू नगर गाजियाबाद में स्थित  
है जिसका हस्तान्तरण 40000 रु० में किया गया है ।

विजय भार्गव,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-10-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती शकुन्तला बुढ़ाराजा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 15 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० 30/76-77/प्राई० ए० सी० (प्रार०/ए०)/  
भुवनेश्वर:—यतः, मुझे, ए० एन० मिश्र  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० थाना नं०-65 है, जो यूनिट-8, भुवनेश्वर में  
स्थित है (और इससे उपाबूख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 10-5-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में बारतविधा रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, इपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14—316जी०आई०/76

(2) श्री जगवीश चन्द्र बुढ़ाराजा लिंकेटर मैसर्स जयसी  
हाउस (प्रा०)लिमिटेड  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तक्ससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन और स्थपित् भुवनेश्वर का यूनिट-8, नं०-43  
पुराना प्लाट में स्थित है। वह जमीन भुवनेश्वर सबरजिस्ट्रार  
ऑफिस में 10-5-76 तारीख नं० रजिस्टर हुआ, जिसकी  
डाक्युमेंट नं० 3870 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

दिनांक : 15-10-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

4/14क, आसफ़ अली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 20 अक्टूबर 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/III/एस० आर०-III/-फरवरी/75-76/495 (8) :—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 16/10230 है, तथा जो प्लाट नं० 85, ब्लाक नं० '6' डब्ल्यू०ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रीं पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसूचण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मलिका लाल्हा, विधवा पत्नी श्री अमर नाथ लाल्हा, निवासी जी० 23, निजामुद्दीन वैस्ट, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) श्री जय सिंह, सुपुत्र एस० किरण सिंह, निवासी 20 बी०/8बी०, तिलक नगर, नई दिल्ली

2. श्री ए० आर० विंग, सुपुत्र श्री सी० एल० विंग, निवासी 23 ए०/5, तिलक नगर, नई दिल्ली ।

3. नरीन्द्र पाल, सुपुत्र श्री सादा नन्द निवासी 17/5, वैस्ट पैटेल नगर, नई दिल्ली

4. विद्या सागर आनन्द, सुपुत्र श्री सादा नन्द, निवासी 3309, रम्जीत नगर, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

(3) 1. श्री वी० आर० सन्धानम  
2. सरदार सुरजीत सिंह  
3. श्री कौ० वी० साठे  
4. श्री ए० पी० नारयन स्वामी (व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता की द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानिकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या किया गया है।

### अनुसूची

एक छाई मंजिला पक्का बना हुआ मकान जिसका मूल्यसिपल नं० 16/10230 है, प्लाट नं० 85 पर, ब्लाक नं० 66 में, 20-1/3 गज लम्बे तथा 11-1/3 गज चौड़े तथा 230.44 वर्गमीटर क्षेत्रफल के एरिया पर बना है, वैस्टन एक्सटेंशन एरिया, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं० 16/6/84

पश्चिम : जायदाद नं० 16/6/86

उत्तर : रोड़

दक्षिण : लेन

एस० सी० पारीजा,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-10-1976

मोहर :

प्रलेप प्राई० टी० एम० एस० .....

1. श्री शंकर सिंह सुपुत्र श्री वाल सिंह,

74, गार्डन कालोनी, माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 अक्टूबर, 1976

निदेश सं० 1630—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोता सिंह नगर  
में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
फरवरी, 1976  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शंकर सिंह सुपुत्र श्री वाल सिंह,  
मार्केट, मोता सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

2. श्री बलदेव सिंह सुपुत्र श्री सर्वरण जीत सिंह,  
मार्केट, मोता सिंह नगर, जालन्धर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9180 फरवरी,  
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12-10-76

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 6th October 1976

No. A.32014/1/76-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 20-8-76, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 17-9-76 to 28-9-76 or until further orders, whichever is earlier.

The 12th October 1976

No. A.38013/5/75-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri Sohan Lal, a permanent Section Officer of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th September, 1976 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A), dated the 24th November, 1973.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.  
(Incharge of Administration),  
Union Public Service Commission.

CABINET SECRETARIAT  
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 6th October 1976

No. A-20014/93/76-AD.I.—Shri Kalidas Dhar an officer of West Bengal Police on deputation to C.B.I. as Inspector of Police has been relieved of his duties in the CBI Calcutta Branch on the afternoon of 18-9-1976 on repatriation to the State Police Department, with instructions to report to the Addl. Supdt. of Police, D.I.B., 24 Parganas.

P. S. NIGAM,  
Administrative Officer (E), C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-3, the 6th October 1976

No. E-28013/10/75-GA-II.—On his having been prematurely retired from Service under FR 56(j) Shri S. Swain, Asstt. Commandant, CISF Unit Bhilai Steel Plant, Bhilai, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 8th September, 1976.

L. S. BISHT, Inspector General

## CENTRAL TRANSLATION BUREAU

New Delhi-16, the 11th October 1976

No. 35-87/76-Admn.—Shri Anand Prakash, permanent Superintendent in the Central Translation Bureau, is promoted to officiate as Administrative Officer in the Central Translation Bureau, Rajbhasha Vibhag, Ministry of Home Affairs, on adhoc basis, with effect from 4th October, 1976 forenoon, until further orders.

V. S. SAKSENA, Director

## DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 20th October 1976

No. P(10)/AIL.—Shri K. Madhusoodanan Pillai, Technical Officer (Photolitho) has been appointed to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Government of India Text Books Press Chandigarh, with effect from 8-9-1976 (F.N.), until further orders.

No. W(1)/AIL.—Shri Raghbir Singh Wadhwa, Technical Officer (Photolitho) has been appointed to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Government of India Press, Minto Road, New Delhi with effect from 16.9.1976 (F.N.) until further orders.

S. M. JAMBHOLKAR, Director of Printing

MINISTRY OF FINANCE  
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS  
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 6th October 1976

F. No. BNP/C/63/73.—In continuation of this Department's Notification of even number dated 14-11-75 the appointment of Shri B. B. Sen as Assistant Engineer (Mechanical) in Bank Note Press, Dewas (MP) on standard deputation terms is extended for a period of one year with effect from afternoon of 12th November, 1976.

D. C. MUKHERJEA, General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE  
ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL REVENUE  
New Delhi, the 7th October 1976

## CORRIGENDUM

No. Admn.I/5-5/Promotion/76-77/O.O.565/1807.—Substitute the date "31-7-76 (A.N.)" in place of "31-8-76 A.N." occurring in third line of this office notification No. Admn.I/5/5/Promotion 76-77/O.O.495/1591, dated 2-9-76, regarding retirement of Sh. O. P. Tyagi, Accounts Officer.

H. S. DUGAL,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL  
ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad-500004, the 25th September 1976

No. E.B.I/8-312/76-77/207.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. Ramanatha Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 21-9-1976 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

The 5th October 1976

No. E.B.I/8-312/76-77/215.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri B. C. L. Narayana a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29-9-1976 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. E.B.I/8-312/76-77/217.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri P. Pernalwar a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29-9-1976 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKHARJEE,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE  
ACCOUNTS

*Notice of Termination of Service issued under Rule 5(i)  
of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules 1965*

Patna, the 28th September 1976

In pursuance of Sub Rule (i) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Bidit Kumar Bhattacharjee that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which

this notice is served on or as the case may be tendered to him.

P. C. THOMAS,  
Controller of Defence Accounts, Patna  
Station : Patna  
Dated : 3 May 1976

## ACKNOWLEDGEMENT

I hereby acknowledge the receipt on this day of the Notice of Termination from service.

Signature of the individual  
Designation  
Place  
Date

**MINISTRY OF COMMERCE**  
**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS**  
**AND EXPORTS**

New Delhi, the 7th October, 1976  
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1149/76-Admn(G)/6284.—The President is pleased to appoint Shri Swaran Singh, a permanent Stenographer of Grade II of the CSSS working in this office to officiate as Senior Personal Assistant (Grade-I) of the CSSS in this office w.e.f. the forenoon of the 7th August, 1976 on ad-hoc basis for a period of six months or till he is replaced by a regular incumbent of the post, whichever is earlier.

2. This supersedes this office Notification No. 6/1149/76-Admn(G)/5532, dated 31-8-76.

A. S. GILL  
Chief Controller of Imports and Exports.

**OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS**  
Madras-1, the 8th September 1976

## ORDER

Sub.—Cancellation of Exchange Control Copy of the Import licence No. P/E/0210517/C/XX/49/M/37-38, dated 15-10-73 for Rs. 2189/- for import of General Drugs and Medicines.

No. ITC/2/Rev./AM.76/EI.—M/s. Kantilal C. Sheth (H.U.F.) 22, First Line Beach, Madras-1, order granted the following licence under Established Importer's Category.

Licence No. P/E/0210517/C/XX/49/M/37-38, dated 15-10-73 for Rs. 2189/- for the item general drugs and medicines.

They have applied for duplicate copy of Exchange Control Copy of the licence on the ground that the original Exchange Control Copy of the above licence has been lost without having been utilised.

In support of their contention the applicants have filed an affidavit. I am satisfied that the original Exchange Control Copy of the licence mentioned above has been lost and that

the duplicate Exchange Control Copy of licence should be issued to the applicants.

The original Exchange Control Copy of the licence No. P/E/0210517/C/XX/49/M/37-38, dated 5-10-73 is hereby cancelled.

## ORDER

Sub.—Cancellation of Exchange Control Copy of Import Licence No. P/E/0210830/C/XX/54/M/37-38, dated 16-1-75 for Rs. 1358/- issued for import of Drugs and Medicines.

No. ITC/3/Rev./AM76/EI.—M/s. Victor and Co., (I) (P) Ltd., 109, Moore Street, Madras-1, were granted the following licence under Established Importer Category.

Licence No. P/E/0210830/C/XX/54/M/37-38 dated, 16-1-75 for Rs. 1358/- for the item Drugs and Medicines.

They have applied for duplicate copy of Exchange Control Copy of the licence on the ground that the original Exchange Control Copy of the above licence has been lost without having been utilised.

In support of their contention the applicants have filed on affidavit. I am satisfied that the original Exchange Control Copy of licence mentioned above has been lost and that the duplicate Exchange Control Copy of licence should be issued to the applicants.

The original Exchange Control Copy of the licence No. P/E/0210830/C/XX/54/M/37-38 dated 16-1-75 is hereby cancelled.

R. KUMARAVELU

Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Jt Chief Controller of Imports and Exports

## OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 11th October, 1976

No. CLB.II/10(1)/73-76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 14A and other relevant provisions of the Cotton Control Order, 1955, I hereby direct that—

- (1) No person holding an 'A' Class licence under Clause 7 of the said order shall sell cotton of any description to any person who is not a manufacturer.
- (2) No manufacturer shall sell or deliver cotton of any description to any other manufacturer except under and in accordance with a permission issued in writing, by the Textile Commissioner.

R. P. KAPOOR, Textile Commissioner.

Bombay-400020, the 6th October 1976

No. 5(2)/76-CLB. II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 31 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and Clause 10 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby direct that every producer having a spinning plant and every manufacturer of art silk yarn shall submit to the Textile Commissioner, Cotton Industry Branch, Bombay commencing from the 10th day of October, 1976 and thereafter on or before the 10th day of every succeeding month a true and accurate information in the pro forma appended below with respect to the import and consumption of imported viscose staple fibre/polynotic staple fibre/high wet modulus viscose staple fibre imported in accordance with the Public Notice No. 67-ITC(PN)/76, dated the 24th July, 1976 issued by the Government of India, Ministry of Commerce, relating to the month preceding the month of report as aforesaid.

## Proforma

Name of the manufacturer/producer. Address.

Details of Import Licence  
Value in Rs.      Quantity in Kgs.

1	2	3	4	5	6	7	8
Date of opening of L.C.	Value of L.C.	Quantity covered.	Opening Balance of imported polynotic/viscose/high wet modulus viscose staple fibre.	Total imports of polynotic/viscose/high wet modulus viscose staple fibre during the month.	Consumption of polynotic/viscose/high wet modulus viscose staple fibre during the month.	Balance at the end of the month of polynotic/viscose/high wet modulus viscose staple fibre.	Remarks.

G. S. BHARGAVA  
Joint Textile Commissioner

## DEPARTMENT OF EXPLOSIVE

Nagpur, the 28th September 1976

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division—2, add "BLAMIX—B" after the word "AMMONAL".

I. N. MURTY, Chief Controller of Explosives.

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 6th September 1976

No. 2222(HS)/19A.—Shri Himalaya Sarma is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 5th July, 1976, until further orders.

The 6th October 1976

No. 2251(RS)/19B.—Shri Ranbir Singh received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity with effect from the afternoon of 1st September, 1976.

He has been released from the services of the Geological Survey of India w.e.f., the forenoon of the 2nd September, 1976 enabling him to join the post of Assistant Drilling Engineer in Mineral Exploration Corporation Limited.

No. 2251(JRO)/19B.—Shri J. R. Ohri received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity with effect from the afternoon of 31st August 1976.

He has been released from the service of the Geological Survey of India w.e.f., the forenoon of the 1st September, 1976 enabling him to join the post of Assistant Drilling Engineer in Mineral Exploration Corporation Limited.

V. K. S. VARADAN, Director General.

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 8th September 1976

No. 5(86)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri I. R. Mohana Rao, Transmission Executive, All India Radio, Visakhapatnam as Programme Executive, All India Radio Aizawl in a temporary capacity on an *ad-hoc* basis with effect from the 7th September, 1976 and until further orders.

No. 5(70)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kumari K. V. Leela, Transmission Executive All India Radio, Madras as Programme Executive, All India Radio Madras in a temporary capacity on an *ad-hoc* basis with effect from the 6th September, 1976 and until further orders.

P. K. SINHA Dy. Director (Admn.)  
*for* Director General.

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICE

New Delhi, the 7th October 1976

No. A. 31013/4/76(CHEB) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. N. Srivastava in a substantive capacity to the permanent post of Deputy Assistant Director General (Exhibition) in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services with effect from the 26th February, 1976.

No. A. 31013/10/76(CHEB) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Y. P. Gupta in a substantive Capacity to the permanent post of Research Officer in the Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services, with effect from the 29th June, 1976.

S. P. JINDAL, Dy. Director Admn. (O&amp;M)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

## DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

N.H. IV Faridabad, the 7th October 1976

No. F. 4-5(11)/74-A.III.—Consequent upon the acceptance of the resignation tendered by him, Dr. P. K. Jaiswal Marketing Officer has been relieved of his duties in this Directorate with effect from 23rd September 1976 (A.N.).

RAMADHAR, Agricultural Marketing Adviser.

## DEPARTMENT OF SPACE

## CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 30th September 1976

No. 10/3(16)/76-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint on deputation from Kerala Public Works Department, Trivandrum, Shri C. Lakshminarayanan as Engineer SB in Civil Engineering Division, Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of September 23, 1976 and until further orders.

P. I. U. NAMBIAR, Administrative Officer  
*for* Chief Engineer.MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 11th October 1976

No. E(I)04281.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. V. Pundle, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 15-9-76 to 12-12-76.

Shri S. V. Pundle, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(I)04321.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. S. V. Rajagopalan, Prof. Assistant Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 1-10-76 to 28-12-76.

Shri Rajagopalan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

The 12th October 1976

No. E(I)06273.—The Director General of Observatories hereby appoints Dr. Anand Prakash, Prof. Assistant, office of the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of eighty-nine days with effect from the forenoon of 16-9-76 to 13-12-76.

Dr. Anand Prakash, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. MANIAN, Meteorologist  
for Director General of Observatories.

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 1st September 1976

No. 1/98/76-EST.—Shri G. S. Chattwal, Technical Assistant, New Delhi Branch, who was appointed as Officiating Assistant Engineer in the same Branch with effect from 12-4-1976 (*vide* this office Notification No. 1/98/76-EST dated 7-6-1976), was reverted to his original post of Technical Assistant with effect from the afternoon of the 22nd May, 1976.

M. S. KRISHNASWAMY,  
Administrative Officer,  
for Director General.

Bombay, the 6th October 1976

No. 1/315/76-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. V. Rao, Technical Assistant, Bombay Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 5-7-76 to 21-8-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

P. K. G. NAYAR,  
Dy. Director(ADMN.),  
for Director General.

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 11th October 1976

No. A-19012/597/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri V. P. Singh, Supervisor as Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the forenoon of 9th August, 1976, until further orders.

Shri V. P. Singh assumed charge of the office of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH,  
Under Secy.  
for Chairman, C.W. Commission.

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 29th September 1976

No. 7/2/76-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following officers to the Central Power Engineering (Class II) Services in the grade of Extra Assistant Director (Scientific) in the Central Electricity Authority in a substantive capacity with effect from the dates shown against their names:—

Sl. No.	Names	Designation	Date of apptt. as E. A. D. (Scientific) on substantive basis.
1.	Shri V. C. Jain	Extra Asstt. Director	16-9-72
2.	Shri Hoshiai Singh	Do.	16-9-72
3.	Shri K. S. A. Sastry	Do.	16-9-72
4.	Shri K. R. Krishnaswamy	Do.	16-9-72

S. BISWAS  
Under Secretary  
for Chairman

#### INTEGRAL COACH FACTORY GENERAL MANAGER'S OFFICE PERSONNEL BRANCH/SHELL

Madras-38, the 7th October 1976

No. PB/GG/9/Misc.II.—Sri R. RAMAMURTHY, Shop Superintendent/Shop-45 (Class III), has been promoted to officiate as Assistant Electrical Engineer/Maintenance (Class II) on *ad-hoc* basis from 4-8-76 to 31-8-1976.

Sri G. SESHAGIRI RAO, Officiating Shop Superintendent/Production Control/Fur. (Class III), has been promoted to officiate as Assistant Works Manager/M/Fur. (Class II) on *ad-hoc* basis from 18-8-1976.

Sri S. SANKARALINGAM Officiating Temporary Assistant Electrical Engineer, who has been promoted to Senior Scale as Officiating Works Manager/Electrical (S.S.) (*ad-hoc*) from 4-8-1976 has been reverted as Temporary Assistant Electrical Engineer from 1-9-1976.

Sri J. NATARAJAN, Officiating Assistant Controller of Stores/Depot/Shell (Class II) (*ad-hoc*) has been reverted to Class III service with effect from the forenoon of 2-9-1976.

Sri R. SARANGARAJAN, Financial Adviser and Chief Accounts Officer (SA Level II) has been transferred to Southern Railway on the forenoon of 4-9-1976.

Sri J. MATTHAN, General Manager, who attained the age of Superannuation on the afternoon of 6-9-1976, will retire finally from service on the afternoon of 30-9-1976. He is granted refused leave for 122 days from 1-10-76 to 30-1-1977.

Sri V. P. SHARMA, Officiating Works Manager/Electrical (S.S.) is permitted to retire voluntarily from service with effect from the afternoon of 30-9-1976.

S. VENKATARAMAN, Dy. Chief P.O.  
for General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY  
AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bhagnagar Pictures Limited*

Hyderabad-500001, the 30th September 1976

No. 837/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the Bhagnagar Pictures Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN, Registrar of Companies,  
Andhra Pradesh.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of  
M/s. Aiyars Advertising and Marketing Private Ltd.*

Bombay, the 6th October 1976

Co. No. 13171.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Aiyars Adver-

tising & Marketing Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 30-4-76 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the Company.

P. T. GAJWANI,  
Addl. Registrar of Companies,  
Maharashtra, Bombay.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
HARYANA, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th May 1976

No. Admn.1/72-Discp/Raj Kumari, Auditor/75-77/952.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Service (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Kumari Raj Kumari Auditor that her services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or, as the case may be, tendered to her.

R. N. CHOPRA,  
Dy. Accountant General (ADMN.)

## FORM ITNS—

(1) Shri Shankar Singh son of Shri Ball Singh, 74, Garden Colony, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR CITY.

Jullundur, the 12th October 1976

Ref. No. AP No. 1630/—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Master Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
15—316GI/76

(2) Shri Baldev Singh son of Shri Kehar Singh, Swarnjit Singh Market, Mota Singh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property](4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One shop No. 776, Swarnjit Singh Market, Mota Singh Nagar Jullundur, vide registration deed No. 9180/February, 1976, /S.R. Jullundur.

**RAVINDER KUMAR,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 12-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR CITY.**

Jullundur, the 12th October 1976

Ref. No. AP No. 1629/—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Master Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Feb. 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Shankar Singh son of Shri Ball Singh, 74, Garden Colony, Model Town, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shrimati Kamaljit Kaur w/o Shri Baldev Singh of Village Shankar, Teh. Nakodar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

One shop No. 776 situated in Swarnjit Singh Market, Mota Singh Nagar, Jullundur, vide registration deed No. 8966 of February, 1976, S.R. Jullundur.

**RAVINDER KUMAR,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-10-1976.  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Shri Smt. Vidaya Wati Sondhi w/o Shri Sunder Dass Sondhi s/o Shri Raizada Hans Raj Sondhi, R.O. village ASIALA UPPAR Bakrota, Dalhousie (H.P.).  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR CITY.**

Jullundur, the 12th October 1976

Ref. No. AP-1628/—Whereas, I Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Civil Lines Opp. Company Bagh, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Shrimati Raj Kaur w/o Shri Anoop Singh, c/o M/s. Imperial Medical Hall, Opposite Punjab National Bank, Civil Lines, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Shop situated in the Civil Lines, Jullundur City, registered vide registration deed No. 9276 of February, 1976.

**RAVINDER KUMAR,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 12-10-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

(2) Chetan Trust.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 5th October 1976

Ref. No. TR-299/C-274/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat 2A), situated at Park Street Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or

Plat No. 2A, on 2nd floor of about 2000 sqft. at 24, Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sections (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 5-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukesh Gangwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 6th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. TR-283/C-282/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 24 (Flat No. 3B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 9-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/2 share of 2500 sqft. in flat No. 3B on 3rd floor of building 24 Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. TR-284/C-283/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 3B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 9-2-76, for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/2 share of 2500 sqft. in flat No. 3B, on 3rd floor of building 24 Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 6-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bibha, Ave, Mallika Trust.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. TR-289/C-288/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 24 (Flat 2B), situated at Park Street Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of about 2800 sqft. of flat No. 2B, at 24, Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 6-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Jalan &amp; Sons.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. 290/C-289/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat 2B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/2 share of about 2800 sqft. of flat No. 2B, at 24 Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parameswarlal Shroff Karta of Parameswarlal Ashok Kumar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 6th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. TR-294/C-292/CAL-1/75-76.—Whereas I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24 (Flat No. 4B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/4th share of 2800 sqft. Approx of flat No. 4B on 4th floor at 24 Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
16—316GI/76

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 6-10-1976,

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. TR-295/C-293/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat 4A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/4th share of 2800 sqft. Approx. of flat No. 4A, on 4th floor at 24 Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**S. K. CHAKRAVARTY,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 6-10-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Madan Mohan Agarwal.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. TR-296/C-271/Cal-1/75-76.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24 (Flat 4A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-2-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/4th share of 2800 sqft. Approx. of flat No. 4A, on 4th floor at 24 Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Dated : 6-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri K. N. Jalan &amp; Sons.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.**

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. TR-300/C-275/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24 (Flat 4A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-2-76. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 share of 2800 sqft. Approx. of flat No. 4A, on 4th floor at 24 Park Street Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**S. K. CHAKRAVARTY,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Dated : 6-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramaswarup Kanoria, H.U.F.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. TR-318/C-323/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 24 (Flat No. 5A) situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 17-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

15% share of 2200 sqft. Approx. flat No. 5A on 5th floor at 24 Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 6-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anil Kanoria.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. TR-320/C-321/CAL-1/75-76.—whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 24 (Flat No. 5A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 17-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

15% share of 2000 sqft. approx. of flat No. 5A on 5th floor at 24, Park Street, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 6-10-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. TR-321/C-320/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 5A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 8-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

35% share of 2200 sqft. approx. of flat No. 5A, on 5th floor at 24 Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Dated : 6-10-76,

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Ratan Shroff.

(Transferee)

Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—  
(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta-16, the 6th October 1976

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. TR-291/C-290/CAL-1/75-76.—Whereas I,  
S. K. Chakravarty,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason  
to believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 24 (Flat No. 4B), situated at Park Street, Calcutta,  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering officer  
at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-2-76,  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

1/4th share of 2800 sqft. Approx. of flat No. 4B, on 4th  
floor at 24 Park Street, Calcutta.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 6-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shrimati Sumitra Devi Shroff,

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.**

Calcutta-16, the 7th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 78-292/C-294/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 4B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 7-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/4th Share of 2800 sqft. Approx. of flat No. 4B on 4th floor at 24, Park Street Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17-316GI/76

Dated : 7-10-76.

Seal :

## FORM INTS

(1) Prabhavati Wd/of Babubhai Rupchand Solanki,  
Power of Attorney Holder; Shri Bharatkumar Babu-  
bhai Solanki, Lal Gali, Nanavati, Surat.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th October 1976

Ref. No. P.R. No. 489/Acq./23-881/19-8/75-76.—Whereas,  
I, P. N. MITTAL,  
being the competent authority under section 269B  
of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Nondh No. 1939, Ward No. 2, situated at behind Mahadev-  
nagar Society, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat on 5-2-1976  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferred to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act 1957,  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

- (2) (i) Shri Kiranbhai Lallubhai Patel, Umral, Tal.  
Bardoli, Dist. Surat.  
(ii) Manjuben Prabhubhai Patel, at Vidava, Tal.  
Kamrej, Dist. Surat.  
(iii) Shri Chandulal Chhaganlal Patel, 85, Sadhana  
Society, Varachha Road, Surat.  
(iv) Shri Vasantbhai Hirabhai Patel, Navsari, Dist.  
Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons whichever period expires later.  
(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land bearing Nondh No. 1939, Ward No. 2, situated behind  
Mahadevnagar Society, Surat admeasuring 480 sq. yds. as  
described in the sale deed registered under registration No.  
1187 in the month of February 1976 by the Registering Officer,  
Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 14-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Sushila Gangwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

Calcutta-16, the 7th October 1976

Ref. No. TR-297/C-272/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 3A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North Calcutta on 7-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 3A 3rd floor at 24 Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 7-10-76.

Seal .

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Kewal Chand Gangwal.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 7th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. TR-298/C-273/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 3A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta 7-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 3A, 3rd floor at 24, Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 7-10-76.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Development Consultants (P) Ltd.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. TR-314/C-313/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24 (No. 7B) situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 26-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(4) United Bank of India.

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of new building comprising one office room on the Southern Side bearing No. 7B, on 7th floor with attached bathroom & lavatories at 24 Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Dated : 6-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Development Consultants (P) Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(4) United Bank of India.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 6th October 1976

Ref. No. TR-315/C-311/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 6B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 26-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Portion of new building comprising one office room on the Southern side bearing No. 6B on the 6th floor with attached bathroom and lavatories at 24 Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Dated : 6-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Development Consultants (P) Ltd.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 7th October 1976

Ref. No. TR-316/C-312/Cal-1/75-76.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 7A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 26-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of new building comprising one office room on the northern side bearing No. 7A on the 7th floor at 24 Park Street, Calcutta, with attached bathrooms and lavatories.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 7-10-76.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.**

Calcutta-16, the 7th October 1976

Ref. No. TR-317/C-314/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (No. 6A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 26-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) Development Consultants (P) Ltd.

(Transferee)

(4) United Bank of India.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of new building comprising one office room on the Northern Side bearing No. 6A, on the 6th floor with attached bathroom and lavatories at 24 Park Street Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Dated : 7-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anil Kanoria, Karta of Ramswarup Anil Kumar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 7th October 1976

Ref. No. TR-319/C-322/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 5A), situated at Park Street Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 17-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—316GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

35% share of 2200 sqft. approx. flat No. 5A, on 5th floor at 24 Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Dated : 7-10-76.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sadhana Properties (P) Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kiran Jalan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 11th October 1976

Ref. No. TR-285/C-284/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 (Flat No. 4A), situated at Louden Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place, North Cal. on 7-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 4A, at 3, Louden Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Dated : 11-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sadhana Properties (P) Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Janaki Devi Jalan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta-16, the 11th October 1976

Ref. No. TR-288 /C-287/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3 (Flat No. 4B,) situated at Louden Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place, North, Cal. on 7-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4B, at 3, Louden St., Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 11-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sadhana Properties (P) Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri P. K. Choksay,

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.**

Calcutta-16, the 11th October 1976

Ref. No. TR-327/C-324/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 (Flat No. 3A), situated at Louden Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Col. on 18-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 3A at 3, Louden Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sadhana Properties (P) Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Interstate Equipments India (P) Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 11th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 328/C-325/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 (Flat No. 2A), situated at Louden Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 18-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2A on second floor at 3, Louden Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 11-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sadhana Properties (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kusum Khemani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 11th October 1976

Ref. No. TR-329/C-326/Cal-1/75-76.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 (Flat No. 3B), situated at Louden Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North Cal. 18-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3B, at 3, Louden Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 11-10-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sadhana Properties (P) Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s. Interstate Equipment India (P) Ltd.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 11th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

Ref. No. TR-330/C-327/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 (Flat No. 2B) situated at Louden Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal on 18-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 2B on second floor at 3, Louden Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 11-10-76.

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Sadhana Properties (P) Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Sita Devi Neotia.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 11th October 1976

Ref. No. TR-331/C-328/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 (Flat No. 5A), situated at Louden Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 16-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 5A, at 3, Louden Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 11-10-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sadhana Properties (P) Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Sarla Devi Neotia.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.**

Calcutta-16, the 11th October 1976

Ref. No. TR-332/C-329/Cal-1/75-76.—Whereas I, S. K. Chakravarty being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 (Flat No. 5B), situated at Louden Street, Calcutta, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place, North, Cal. 16-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—316GI/76

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 5B at 3, Louden Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Dated : 11-10-76,

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Kumar Poddar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-275/C-295/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 5B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 10-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8th share of a flat No. 5B on 5th floor at premises No. 24, Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakuntala Devi Poddar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-276/C-296/CAL-1/75-76.—Whereas I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24 (Flat No. 5B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 10-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/8th share of a flat No. 5B on 5th floor at premises No. 24, Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1976.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Bimal Kumar Poddar, Karta of HUF Puran Mal Bimal Kumar.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.**

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-277/C-297/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 5B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 10-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

1/8th share of a flat No. 5B, on the 5th floor at premises No. 24, Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Dated : 12-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sajan Kumar Poddar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-278/C-298/CAI-1/75-76.—Whereas, I,  
S. K. Chakravarty,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 24 (Flat No. 5B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 10-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8th share of a flat No. 5B on 5th floor at premises No. 24, Park Street, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 12-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rukmani Devi Poddar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-279/C-299/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 5B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), fully been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 10-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8th share of a flat No. 5B on 5th floor at premises No. 24 Park Street, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, an Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons; namely :—

Date : 12-10-76.

Seal :

FORM ITNS—————

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-280/C-300/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 5B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 10-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Ram Karan Poddar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/8th share of a flat No. 5B on 5th floor at premises No. 24, Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 12-10-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-281/C-280/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 (Flat No. 5B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 10-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Banarasi Devi Poddar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/8th share of a flat No. 5B on 5th floor at premises No. 24, Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date : 12-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Calcutta Credit Corporation Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bimal Kumar Poddar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I<sup>1</sup> CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-282/C-281/CAL-1/75-76.—Whereas I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 24 (Flat No. 5B), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 10-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/8th share of a flat No. 5B on 5th floor at premises No. 24, Park Street, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—  
20—316GI/76

Dated : 12-10-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sadhana Properties (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

(2) Kanaklata Jhunjhunwala.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property shall be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. TR-286/C-285/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 3 (Flat No. 7B), situated at Loudon Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at 5, Govt. Place North, Cal. 7-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7B at 3, Loudon Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sadhana Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Prosad Jhunjhunwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-287/C-286/Cal-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 (Flat No. 7A), situated at Loudon Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 7-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7A at 3, Loudon Street, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Gulab Bai Kothari.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-302/C-277/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, 20/1A, 20/1B, & 20/1, situated at Bepin Behari Ganguly Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at No. 5, Govt. Place North at on 3-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Smt. Rani Prava Ghosh.
- (1) Gulab Bai Kothari (2) U. Mulji (3) S. Sujan Singh (4) Rashid Ahmed Sakha Khatoon & (5) Ganesh Ch. Shee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Two storied building at premises No. 20, 20/1A, 20/1B & 20/1-C Bepin Behari Ganguly Street, Calcutta-12.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Dated : 12-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Puby Construction Company.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Haraprasad Mukherjee.

(Tansferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-323/C-318/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C, (Unit No. 3), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 16-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 3 on ground floor of premises No. 750, Park Street, Calcutta.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

Dated : 12-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Haraprasad Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-324/C-317/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C, (basement), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 16-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Basement on ground floor of premises No. 75C, Park Street Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

(2) Shri Maitrali Mukherjee.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-325/C-315/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 2), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 16-2-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Unit No. 2, on ground floor of premises No. 75C, Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Dated : 12-10-76.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Maitrali Mukherjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 12th October 1976

Ref. No. TR-326/C-316/CAL-1/75-76.—Whereas I, S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C, (Unit No. 2A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Cal. on 16-2-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Unit No. 2A on ground floor of premises No. 750, Park Street, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-10-76.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mrs. Khurshidunnissa Begum,  
W/o Hajee Mirza Ahamed Namazee,  
31/2A, Pantheon Road, Egmore.  
Madras-8.

(Transferor)

(2) M/s. S.I. Property Development(P) Ltd.,  
"Montieth Court", No. 15, Montieth Road,  
Madras-8.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-6, the 13th October 1976

Ref. No. 15/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31/2A, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

**Registration Act, 1908**  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 1058/76) on 27-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Vacant land measuring 4 grounds and 61 sft. in part of door No. 31/2A (R.S. Nos. 1623/1 (part) and 1626/4 (part) Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—316GI/76

Date : 13-10-1976

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 13th October 1976

Ref. No. 28/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 28, situated at Mullah Sahib Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 115/76) on February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri P. V. Nagappan (alias) P. V. Nagarajan,  
2. Smt. P. N. Vittobai and  
3. Shri Udayasankar,  
No. 36, Subramania Mudali Street,  
Madras.

(Transferor)

(2) Smt. Thirumalai Ammal,  
W/o. Shri C. R. Srinivasulu Naidu,  
Chinnu Mettur village,  
Paranjji Madura, Arkonam taluk,  
North Arcot Dt.

(Transferee)

(3) M/s. Jeenath Plastic Co.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDEULE**

Rear half portion of land measuring 883 sq. ft. with building at door No. 28 (R.S No. 7490/part), Mulla Sahib Street, Madras-1 (with one well and motor pumpset).

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri P. S. Krishnamachari,  
(alias) P. S. K. Chari,  
No. 35/1, Harrington Road,  
Chetput, Madras-31.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(2) Mrs. Indira B. Nichani,  
W/o. Shri Balchand Nichani,  
Shivalaya Building, (7th floor),  
Block II, Commander-in-Chief Road,  
Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 14th October 1976

Ref. No. 2/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot No. 'B', No. 53/1, situaed at Harrington Road, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 493/76) on 4-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 450 sq. ft. in plot 'B', door No. 53/1 (R. S. No. 359/12), Harrington Road, Chetput, Madras-31.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 14-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P. S. Krishnamachari,  
 (alias) P. S. K. Chari,  
 53/1, Harrington Road,  
 Madras-31.

(Transferor)

(2) Mrs. Maya L. Nichani,  
 15-A, Rajarathnam Street,  
 Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th October 1976

Ref. No. 3/FEB/75-76.—Whereas, I, G.  
 RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

plot 'C', door No. 53/1, situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 505/76) on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Vacant land measuring 2 rounds 478 sft. in plot 'C', door No. 53/1 (R.S. No. 359/12), Harrington Road, Chetput, Madras-31.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transference for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri T. S. Krishnamurthy,  
Advocate and 6 others,  
No. 134, Hundred Feet Road,  
Tatabad, Coimbatore-12.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri G. Visvanathan,  
No. 54, Thennamaram Street,  
Vellore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 14th October 1976

Ref. No. 4/FEB/75-76.—Whereas, J. G.  
RAMANATHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
1, situated at Contractor Arumugha Mudaly Street,  
Vasanthapuram, Vellore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Vellore (Doc. No. 520/76) on 4-2-1976  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8,515 sq. ft. with building thereon at door No. 1, Contractor Arumugha Mudaly Street, Vasantha-puram, Vellore.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Saraswathi Kurian,  
W/o. Shri P. C. Kurian,  
No. 11, Harrington Road,  
Chetput, Madras-31.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th October 1976

Ref. No. 7/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at West Madras (Doc. No. 94/1976) on 4-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Jacob Kurian,  
S/o. Shri P. C. Kurian,  
No. 11, Harrington Road,  
Chetput, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3870 sq ft. in door No. 11 (R.S. No. 325/part), Harrington Road, Chetput, Madras-31.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. 1. C. Ramasamy,  
2. R. Soundarapandian,  
3. R. Selvam (minor) by father and guardian  
Shri C. Ramasamy,  
Puthiragoundanpalayam, Salem district.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(2) Shri Y. A. Muthusamy,  
S/o Ananda Udayar,  
Ethapur, Attur taluk,  
Salem Dt.

(Transferee)

Madras-6, the 14th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 49/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 56/10, 19, situated at Puthiragoundanpalayam village, Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Peddanayakkanpalayam (Doc. No. 107/76 on February 1976) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATIONS:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.27 acres in survey No. 56/10, 19, Puthiragoundanpalayam, Pedhanayakkanpalayam, Salem District (with 4/7th share in well and pumpset; and 1/3rd share in shed).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. Srinivasaraghavan,  
No. 94, Nadar Street,  
Coimbatore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th October 1976

Ref. No. 84/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as given Schedule, situated at Narayankulam, Sivanthipatt village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srivilliputhur (Doc. No. 122/76) on February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s. I. S. Katturaja,  
2. S. Thangaraja,  
3. Alicholdai,  
4. Paramasivam.  
5. S. Irulappan,  
sons of S. Seenappa Nadar,  
South Street, Mamsapuram,  
Srivilliputhur taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural lands in Narayankulam Puravu, Sivanthipatti village, Srivilliputhur taluk bearing the following survey numbers :

Survey No. 23	Acre 2—Cent 32 (with well & pumpset)
„ 1/3B	„ 1 „ 60
„ 22	„ 1 „ 10
„ 12	„ 1 „ 18
„ 45 $\frac{1}{2}$ th share in	„ 0 „ 31
„ 2/B1	„ 0 „ 98
„ 33 (1/3rd share in	„ 0 „ 40
„ 58/1 ( $\frac{1}{2}$ th „	„ 1 „ 45 with fishing rights
„ 59/5A —do—	„ 0 „ 93 „
„ 59/5B —do—	„ 2 „ 51 „
„ 59/5C —do—	„ 0 „ 44 „
„ 59/1 [a] & [b]	„ 0 „ 76 (with trees)
$\frac{1}{2}$ th share in Odai Kalam poromboke	

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 15-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri T. Dulip Singh and  
Smt. Cynthia Dulip Singh,  
No. 60, Harrington Road,  
Madras-31.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Miss Sabiha Jamal,  
D/o. Mr. N. P. Jamal,  
14, Sivaganga Road,  
Madras-600 034.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(3) Nungambakkam Saswatha  
Dhanarakshaka Nidhi Ltd.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Madras-6, the 16th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds in door No. 62 (R.S. No. 359/4 part), Harrington Road, Chetput, Madras-31.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22-316GI/76

Date : 16-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. C. Venkatachalam and  
C. Sudarsana Srinivasan,  
435, Poonamallee High Road,  
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kantilal H. Vora,  
No. 74, Audiappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1976

Ref. No. 22/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 154, situated at Vasu Street, Kilpauk, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 260/76) on February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 1 ground and 1240 sq ft. in R.S. No. 154, Vasu Street, Kilpauk, Madras-10.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-10-1976

Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Smt. R. Indra,  
2. Shri K. R. Thulasiraman.  
3. Shri K. R. Sivaraman,  
4. Shri K. R. Chellaraman } minors by mother and  
Ammayappan village, } guardian Smt. Indra  
Tanjore Dt.

(Transferor)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

- (2) M/s. N. K. Ganesh Mudaliar and  
N. K. Gopala Mudaliar,  
No. 72, Armenian Street.  
Madras-1.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Singariah Chetty  
2. Shri Zakaria  
3. Shri Mukundan.

(Person in occupation of the property)

Madras-6, the 16th October 1976

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 50/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Ramasamy Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 1020/76) on February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 1 ground 48 sq. ft. with building thereon at door No. 21 (R.S. No. 3111) Ramasamy Street, Madras-1.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri J. R. Tarapore,  
175/1, Mount Road,  
Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1976

Ref. No. 51/FEB/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

293/A, situated at Poonamallee High Road, Arumbakkam, Madras-29

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras (Doc. No. 1046/76) on February 1976  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Bhagwandoss M. Khakhar,  
'B' Anand Darshan,  
6th Floor, Flat No. 25,  
Near Hill Garage, Peddar Road,  
Bombay-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 36 cents with building thereon at door No. 293/A (New T.S No. 8) Poonamallee High Road, Madras-29.

G. RAMANATHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-10-1976  
namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri R. K. Jhaver,  
No. 119, Mint Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. Srikantha H. Jhaver,  
W/o Shri Harikishan Jhaver,  
366, Thiruvottiyur High Road,  
Madras-81.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 16th October 1976

Ref. No. 52/FEB/75-76. Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot 22-C, situated at Thiruvottiyur High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 446/76) on February, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 grounds and 1840 sq. ft. in plot No. 22-C (Survey Nos. 3538 and 3537/1), Thiruvottiyur High Road, Madras-81.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 16-10-1976

Seal :

## FORM ITNS —

(1) Shri V. V. Kalisami Gounder  
S/o Shri V. C. Wellinguri Gounder,  
Vellakinar Post, Coimbatore-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1976

Ref. No. F. 2840/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share, situated at Door Nos. 7/20, 7/21, and 7/22 (Old Survey No. 298/9 Part) (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 527/76) on 16-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Sathya Hotels Private Ltd.,  
No. 7/21 State Bank Road,  
Coimbatore-18.  
(Represented by Shri M. N. Sivakumar—Managing Director).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

95 cents of land (with building) bearing Door Nos. 7/20, 7/21 and 7/22, State Bank Road, Coimbatore (Old Survey No. 298/9 Part).  
1/3rd Share.

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 11-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1 Shri V. V. Kalisami Gounder;  
 2. Shri V. K. Anandhan;  
 3. Shri V. K. Selvakumar;  
 4. Shri V. K. Gnanaprakasam; and  
 5. Shri V. K. Ravichandran & V. K. Prabhakar  
 Vellaikinar Post, Coimbatore-29.  
 (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1976

- (2) M/s Sathya Hotels P. Ltd.,  
 State Bank Road, Coimbatore  
 (represented by its Managing Director —  
 Shri M. N. Sivakumar).  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F.2840/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 2/3rd share in Door Nos. 7/20, 7/21 & 7/22 State Bank road, Coimbatore, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 528/76) on 16-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

95 cents of land (with building) bearing Door Nos. 7/20, 7/21, 7/22 (Old Survey No. 298/9 Part) ...  
 2/3rd share.

S. RAJARATNAM  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Madras-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1976.

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 11th October 1976

Ref. No. F.2947/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/50 Race Course Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR II Madras (Doc. No. 1057/76) on 18-2-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s South India Automotive Corporation  
Private Ltd., 99 Armenian St., Madras-1.  
(Transferor)

(2) M/s. Mercantile Credit Corporation Ltd.  
"South India House",  
99, Armenian St., Madras-1.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring about 10 grounds & 500 Sq. ft. together with A.C. Sheet sheds situated at "Shanti Niketan", 6/50 Race Course Road, Coimbatore-18, (T.S. Ward No. 1—No. 323/1B Old G.S. No. 185) & T.S. No. 942/2, 950/1 (Part).

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 11-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri S. M. Govindaraj,  
S/o Shri S. T. Muthusami Iyengar  
Thuraiyur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1976

Ref. No. F.3524/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door Nos. 245 to 248 situated at Trichy Thuraiyur Road, Thuraiyur Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thuraiyur (Doc. No. 157/76) on 2-2-1976 for an apparent consider-

ation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (2) 1. Shri T. N. Sankaran Sri Dhanalakshmi Hotel No. 247 Main Road, Thuraiyur, Trichy.  
2. Shri S. Ramalingam Selvam Lodge, Rookkins Road, Trichy Rly. Junction, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 245 to 248, Trichy Thuraiyur Road, Thuraiyur Town, Trichy Taluk.

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—316GI/76

Date : 11-10-1976,

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Dr. (Mrs.) Dilara Begum  
33/34 Khanna Bagh St., Triplicane,  
Madras-5.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Dr. (Mrs.) Zubeida Begum  
No. 11 Khana Bagh St., Triplicane,  
Madras-5.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6**

Madras-6, the 13th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. F|5083/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 190 situated at Triplicane High Road, Madras (Vacant land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. No. 90/76) on 20-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

1. Land bearing R.S. No. 2770/1 (part) of extent 750 Sq. ft. in Triplicane High Road, Triplicane.

2. Land bearing R.S. No. 2770/1 (part) of extent 2670 Sq. ft. in Triplicane High Road, Triplicane.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-10-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Smt. Rose Marie Lobo  
Wd/o late William Adolphous Peter Lobo  
2. Shri Joseph William Lobo  
"Glendale", Light House Hill Road,  
Mangalore-575003.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

- (2) Mrs. Leela Bal,  
W/o Shri Misrimal Hazarimalji Sakariya  
No. 16, Periyanayakam Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Madras-6, the 11th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds and 1653 Sq. ft. (with building) situated at No. 503-A, Poonamallee High Road, Madras (T.S. No. 20/10).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 11-10-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Master M. Ct. Muthiah (By father guardian  
Mr. M. Ct. Pethachi)  
7/8 Leith Castle North St., Santhome,  
Madras-28.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. M. Annamalai  
Vegupatti Pudukkottai Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 5108/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/8 situated at Leith Castle North St., Madras-28 (2.5 grounds of vacant site) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR I Madras North (Doc. No. 866) in February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant site measuring 2.5 grounds and bearing No. 7/8 Leith Castle North St., Madras-28 (Survey No. 4573/4C—Part).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 11-10-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Master M. Ct. P. Muthiah (By father & guardian Mr. M. Ct. Pethachil) No. 7/8 Leith Castle North St., Santhome, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. Chandramouli Kanadukathan Ramnad Dist.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 11th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F.5108/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/8 situated at Leith Castle North St., Madras (2.5 grounds of vacant land), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras North (Doc. No. 867) on February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

2.5 grounds of vacant land bearing Survey No. 4573/4C (Part) & No. 7/8 Leith Castle North St., Santhome, Madras-28.

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 14-10-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

(1) M. Ct. P. Chidambaram (Minor) by father and  
guardian Mr. M. Ct. Bethachi No. 7/8 Leith Castle  
North St., Santhome, Madras-28.

(Transferor)

(2) Shri A. Raju Chetty No. 149 Linghi Chetty St.,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 11th October 1976

Ref. No. F.5108/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/8 situated at Leith Castle North St., Madras-28 (2.5 grounds of vacant site),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR I Madras North (Document No. 868) on February 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2.5 grounds of vacant land bearing No. 7/8 Leith Castle North St., Santhome, Madras-28 (S. No. 4573/4-H).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 11-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Master M. Ct. P. Chidambaram (By father &amp; guardian Mr. M. Ct. Pethachi) No. 7/8 Leith Castle North St., Santhome, Madras-28.

(Transferor)

(2) Shri K. Loganathan No. 202 Thambu Chetty St., Madras-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1976

Ref. No. F.5108/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/8 situated at Leith Castle North St., Madras-28 (2.5 grounds of vacant land), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.S.R.I. Madras North (Doc. No. 869) on February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

2.5 grounds of vacant land bearing 7/8 Leith Castle North Street, Santhome, Madras-28 (Survey No. 4573/4-H).

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 11-10-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri K. D. Kapadia Bombay.

(Transferor)

(2) Shri O. M. Prakash Sharma 44/7 Railway Colony Krishanganj, Delhi-7.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1976

Ref. No. 5108/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/8 situated at Leith Castle North St. Madras-28 (4.4 grounds of vacant land) (with building), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras North (Doc. No. 870/76) on February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

4.4 grounds of vacant land (with building) situating at No. 7/8 Leith Castle North Street, Santhome, Madras-28 (Survey No. 4573/4-D).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1976.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. M. Venkatachalam Bombay.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 11th October 1976

Ref. No. 5108/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/8 Leith Castle North St., situated at Madras-28 (2.35 grounds of vacant land), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the JSR I Madras North (Doc. No. 871) on February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—316GI/76

(2) Shri P. L. Palaniappan No. 33 Muthyalu Chetty St., Purasawakkam, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

2.35 grounds of vacant land bearing No. 7/8 Leith Castle North Street, Madras-28 (Survey No. 4573/4E (Part)).

S. RAJARATNAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 11-10-1976

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Kashinath Gaitanoe No. 1 Landon's Road, Madras-10.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri S. P. Ramanathan Pallathur Ramnad Dist.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Madras-6, the 11th October 1976

Ref. No. 5108/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/8 situated at Leith Castle North St., Santhome, Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras North (Doc. No. 872) on February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

2.5 grounds of vacant land bearing No. 7/8 Leith Castle North Street, Santhome, Madras-28 (Survey No. 4573/4-G (Part)).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-10-1976

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.**

Mudras-6, the 13th October 1976

Ref. No. F.5114/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 13, Wheat Crofts Road, situated at Nungambakkam, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 243/76) on 28-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri O. AA. Anandapathmanabha Chettiar, S/o Shri AR. Adaikappa Chettiar, Sri Venkatesa Mills, Pozhal Post, Red Hills, Madras.

(Transferor)

(2) 1. Shri PL. Meenakshi Achi;  
2. Smt. G. Periyal;  
3. Shri S. Ramu and  
4. Smt. AL. Janaki.  
No. 11 Rutland Gate 2nd St. Madras-6.  
5. Smt. C. Muthayee, No. A-14, First Cross, Thillai-nagar, Trichy.  
6. Shri RM. Thiagarajan, No. 24-A, Sivasami St., Salem-1.  
7. Smt. RM. Kalyani Achi, Arimalam Pudukottai Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land admeasuring 11 Grounds and 89 Sq. ft. and bearing Door No. 13, Wheat Crofts Road, Nungambakkam, Madras (R.S. No. 533/11 and 533/15).

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 13-10-1976

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri I. Sivakumar Shri R. Iswaran Smt. D. K. Pattammal No. 7 Srinagar, Madras-15.  
(Transferor)
- (2) Shri S. V. Krishnan Mrs. Mangalakrishnan No. 66A, Ruangsat Road, Singapore-15, (No. 96 Nowruji Road, Alwarthirunagar, Madras-87).  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II**

Madras-6, the 13th October 1976

Ref. No. F.5153/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7 situated at Srinagar Colony, Madras-15, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Madras (Doc. No. 447/76) on 18-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land & building situated at Plot No. 7, Srinagar Colony, Madras-15.

S. RAJARATNAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 13-10-1976

Seal :

## FORM ITNS— •

(1) Mrs. Thilagavathi ammal 41, Venkataranthinam Nagar Adayar, Madras 600020.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Kadiresan No. 214, Amman Koil St., Madras-1.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th October 1976

Ref. No. F.5242/75-76.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, Raghavayya Road, situated at Madras-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 79/76) on February 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 11 Raghavayya Road, T. Nagar Madras-600 017.

S. RAJARATNAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 6th October 1976

Notice No. 142/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey Number 196/2 situated at Gangavati (Dist. Raichur), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gangavati under Document numbers 2007 & 960 on 10-2-1976 & 16-8-76 (amended)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Illur Venkatpatieppa, S/o Veerayya and his three sons—(1) Subbayya, (2) Narayanappa and (3) Krishnayya, Dalali Merchants, Gangavati.

(Transferor)

(2) Shri M. Nagappa, S/o M. Nagappa Alias Mukappa, Merchant, Gangavati, Dist. Raichur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property consisting of N. A. land and open site measuring 31 gunthas (as per original registered deed dated 10-2-1976), 24½ gunthas (as per amended registered deed dated 16-8-1976) under survey number 196/2, situated in Gangavati of Raichur District.

S. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax, Dharwar.  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vedavyasachar, S/o Seetaramachar Pandurangi Phavathi, 2. Shri Ranganath, Alias R. V. Pandurangi, 3. Shri Narayanachar V. Pandurangi, all are residing at P. J. extension Davanagere.

(Transferor)

(2) Smt. T. S. Kanchanmala, W/o Shri T. S. Suradevraju, P. J. extension, Devanagere.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR.  
Dharwar, the 6th October 1976

Notice No. 143/76-77/ACQ.—Whereas I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door Number 234/1, situated at P. J. Extension, 5th Ward, Davanagere, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Davanagere, under Document Number 4297 on 21-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Inmovable property consisting of residential building, situated at P. J. extension, 5th ward bearing door number 234/1 in Davanagere City.

S. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 6-10-1976

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE DHARWAR**

Dharwar, the 6th October 1976

Notice No. 144/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 281 situated at Hadadi Village of Davanagere Taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Davanagere under Document number 4195 on 12-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Bikkappa, S/o Magannhalli Guddappa, 2. Malatesh, 3. Ramesh and 4. Suresh, M/G by Shri M. Bikkappa, resident of Hadadi village, Davanagere Taluk.

(Transferees)

(2) Shri S. S. Virupakshappa, C/o M/s Shamur Sangappa & Sons, Vijayalaxmi Road, Davanagere.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land situated in Hadadi village of Davanagere Taluk bearing C. S. number 281 measuring 3 acres.

S. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 6th October 1976

Ref. No. 145/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 281 situated at Hadadi village of Davanagere Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Davanagere under document number 4194 on 12-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
25—316GI/76

(1) 1. Shri M. Guddappa, S/o Maganahalli Guddappa, 2. Somashkharappa, 3. Venkatesh and 4. Murthy, M/G by father at Sl. No. 1, residents of Hadadi village, Davanagere Taluk.

(Transferors)

(2) Shri S. S. Basavalingappa C/o M/s Shamnur Sangappa & sons, Vijayalaxmi Road, Davanagere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 6 acres and 36 gunthas situated at Hadadi village of Davanagere taluk bearing C.S. number 281.

P. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Dharwar

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) 1. Shri B. T. Somanna S/o T. Tippanna President of Bangalore Development Authority, Bangalore and his wife 2. Smt. Annapurnamma, Bangalore.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri G. Sharabha, C/o M/s Goudar Shivalingappa Gurupadappa, Vijayalaxmi Road, Davanagere.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE DHARWAR

Dharwar, the 6th October 1976

Ref. No. 146/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site number 226 B and door number 2807 (Old), 2524 (New) situated at Davanagere, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Davanagere under document number 4361 on 25-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

RCC building on the site measuring 59' x 60', bearing site number 226/B and 227/B situated at vth ward in MCC 'B' Block, Davanagere.

P. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Yellamma W/o Late Mallappa, Aisur Chowk,  
Palsi Street, main road, Bangalore.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 6th October 1976

Ref. No. 147/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site number 87 and door number 537/1 situated at P. J. extension, Davanagere, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Davanagere under document number 4554 on 18-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri K. S. Gopalakrishna Setty, C/o M/s Oriental Agencies, near municipal watch tower, Davanagere.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

**THE SCHEDULE**

House property bearing door number 2036 (old) 537/1-2 (New) situated at Fifth ward, Prince Jayachamraj Wadeyar extension, Davanagere.

P. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Dharwar

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Yellamma, W/o Late Mallappa, Alsur Chowk,  
Palsi Street, Main Road, Bangalore.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
DHARWAR

Dharwar, the 6th October 1976

Ref. No. 148/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site number 87 and door number 537/1-2 (New) situated at P. J. extension, Davanagere, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Davanagere under document number 4553 on 18-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDEULE**

House property bearing door number 2036 (old) 537-1-2 (New) situated at Fifth Ward, Prince Jayachamraj Wadeyar extension, Davanagere constructed on site number 87.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. M/s Badami Shivabasappa & sons, Mysore Bank Road, Davanagere represented by its Partners—1. Shri N. C. Badami, 2. Shri C. N. Badami and 3. S. N. Badami.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE

- (2) 1. Shri N. K. Shanker Rao, S/o N. Krishnamurthy.  
2. Shri N. K. Prabhakara, S/o N. Krishnamurthy.  
3. Shri N. K. Suresh, S/o N. Krishnamurthy.  
4. Shri N. K. Ramesh, S/o N. Krishnamurthy.  
5. Shri N. K. Vivekananda, S/o N. Krishnamurthy.  
6. Shri N. K. Nataraja, M/G by Shri N. Krishnamurthy, residents of K. B. extension, Davanagere.

(Transferee)

Dharwar, the 6th October 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Notice No. 149/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Door number 191/5+6+7+8 (New) situated at Subhas Road, Davanagere (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Davanagere under document number 4645 on 26-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

RCC building on a land measuring 980 square feet situated in fourth ward, Subhas Road bearing Door No. 152/25, 26, 27, 28, 29 (old), 191/6+6+7+8 (New) at Davanagere.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 6-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. Prahalad Rao, S/o Bhimarao, Davanagere.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE  
 DHARWAR

Dharwar, the 15th October 1976

Notice No. 150/76-77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Jayachamraj Endra Extension, Chitradurga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Chitradurga under Document Number 3321 on 2-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Kenchamadappa, S/o Doddanna, At Upparigenhalli, Taluk Holalkere, Dist. Chitradurga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House property situated in Jayachamraj Endra Extension, Chitradurga.

P. SATYANARAYANA RAO  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range, Dharwar

Dated : 15-10-1976

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri P. Gurumurthy, S/o Seetaramaiah,  
Prop. Elite Tyre Works,  
Ravindranagar Shimoga.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kamalabai,  
W/o N. V. Venkatarao,  
Hasudi Village, Nidige Hobli,  
Taluka and District Shimoga.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
DHARWAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Dharwar, 15th October 1976

Notice No. 151/76.77/ACQ.—Whereas, I, P. SATYANARAYANA RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 134, situated at Hasudi Village of Shimoga Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga Under Document Number 3291 on 21-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

8 Acres of Agricultural land at Hasudi Village of Shimoga Taluka, bearing Survey Numbers as under :—

<i>S. No.</i>	<i>Block No.</i>	<i>Area</i>
134	57	2-00 Acres.
134	58	2-00 Acres
134	59	2-00 Acres
134	60	2-00 Acres

P. SATYANARAYANA RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Dharwar

Date : 15-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shivaji Malviya &amp; Others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ashutosh Sahkari Gram Nirman Samiti Ltd.  
Through Sri Thakur Dutt Pandey,  
Secretary.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

(4) Seller.

[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Lucknow, the 4th October 1976

Ref. No. 71-A/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Khasra No. 2174/13/1 etc. situated at Vill. Kanausi Teh. & Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 7-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

Land Khasra No. 2174/13/1 etc. situated at Village Kanausi Teh &amp; Distt. Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 13th October 1976

Ref. No. ARI/1528-14/Feb 76.—Whereas, I, G. A. JAMES, Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 588(pt) of Mahim Division, situated at Gopi Tank Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Bombay on 3-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

26—316GI|76

(1) Smt. Mathurabai D. Anant Kor.

- (2) 1. S/Shri M. M. Majethia,
- 2. Devraj Ghai,
- 3. Devendra D. Ghai,
- 4. K. G. Jakhia, and
- 5. V. Nagda.

(3) As per list attached.

List of Flat-owners and list of tenants on

Ground floor in Padmadeep Building.

- 1. Shri Pundalik M. Rawle. 2. Shri S. M. Crasto.
- 3. Mrs. Rose N. Barretto. 4. Mrs. Malti R. Nadkarni. 5. Mrs. Kavita J. Chawla. 6. Shri E. C. D'Silva & Mrs. Inacina D'Silva. 7. Mrs. S. U. Kulkarni. 8. Shri U. B. Kulkarni. 9. Shri Amrital J. Dedhia. 10. Mrs. Kalabai H. Ramani. 11. Mrs. Dayamani G. Bhatia. 12. Mrs. Y. D. Kashirsagar.
- 13. Mrs. Jankibai Rawji More. 14. Shri B. S. Dalvi. 15. Shri P. A. Patil. 16. Shri P. S. Patil. 17. Shri S. A. Dalvi. 18. Shri M. G. Dalvi. 19. Shri D. C. Raul. 20. Smt. Keshrabai K. Patil. 21. Smt. Chandrabai Jadhav. 22. Mr. Bhaskar K. Birje. 23. Mr. M. D. Bolaikar.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece or parcel of land or ground comprising the final plot No. 282 of Town Planning Scheme Bombay City No. III (Mahim Area) admeasuring 582 Sq. yds. equivalent to 487 sq. metres or thereabouts comprising of two portions of the original plots viz. being the Parts of Old Nos. 33 and 33A in the Book of the Collector of Land, Revenue C.S. No. 588 Part of Mahim Division together with messuages, tenements and dwelling houses standing thereon situate at Moghal Lane on Gopi Tank Road now known as Post Office Lane off Lady Jamshedji Road, upper Mahim in Registration district and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows : On or towards the North by the said Moghal Lane and beyond that by Final Plot No. 334 in the said Town Planning Scheme, On or towards South by Final Plot No. 283 of the said Scheme; On or towards the East by the property belonging to Masalawala Co-op. Housing Society and bearing Final Plot No. 281 of the said Scheme, On or towards the West by the proposed 40 feet Road and beyond that by Final Plot No. 286 of the said Town Planning Scheme.

G. A. JAMES  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 13-10-1976  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I.  
BOMBAY-400002

Bombay-400020, the 13th October 1976

Ref. No. ARI/1529-15/Feb 76.—Whereas, I, G. A. JAMES, Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New S. 1/7261(pt), C.S. No. 119, Malabar & Cumballa Hill Division situated at Banganga Cross Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-2-1976

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhanumati Mansen Karsondas & Mr. Rabindranath M. Karsondas.  
(Transferor)
- (2) 1. Harishchandra V. Jaliwala,  
2. Ranjit H. Jaliwala, &  
3. Dilip H. Jaliwala.  
(Transferee)

## (3) Tenants as per annexure A.

## ANNEXURE 'A'

List of tenants and/or occupiers of the property.

1. Pushpavati Fulchand Shah. 2. Sumanlal V. Shroff. 3. D. G. Gandeviwalla. 4. R. D. Sawant. 5. Mrs. Pravina Kanti Shah. 6. Mrs. Savitaben Jagivandas. 7. Arvind C. Shah. 8. P. I. Mehta. 9. M. K. Mantri. 10. Harishchandra V. Purikh. 11. Shamji Mulji. 12. Jyotish Trivedi. 13. P. Nair. 14. Narsey Karman. 15. Shankatha Prasad Ramlal. 16. Shantadevi Gayaprasad Sharma.

[Person in occupation of the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece or parcel of Freehold land or ground with the messuages tenements or dwelling houses standing thereon, situate, lying and being on the Western side of Banganga Cross Road, Walkeshwar in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban in the City and Island of Bombay containing by admeasurement 328.58 square meters but according to Cadastral Survey Records admeasurement 339.98 sq. meters equivalent to 406.54 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under New Survey No. 1/7261(part) and Cadastral Survey No. 119 of Malabar and Cumballa Hill Division and in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes under D Ward Nos. 3077 and 3077 (1) and Old Street Nos. 13 and 13A and New Street Nos. 2 and 2A and bounded as follows : that is to say on or towards the East by Banganga Cross Road, On or towards the West partly by the Temple property of iwanlal Karsondas and partly by the property of Shushilabai Mansen Karsondas, On or towards the North by the passage now known as Banganga Road leading to Banganga and on or towards the South by the property known as Ganga Lehri.

G. A. JAMES  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 13-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,

BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 13th October 1976

Ref. No. ARI/1535-21/Feb 76.—Whereas, I, G. A. JAMES, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to relieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New Survey No. 1/370 and New Survey No. 1 & 2/3701, C.S. No. 504 of Mazgaon Division, situated at Matharpakdi Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Khorshed K. S. Sehtna,  
2. K. S. Sehtna &  
3. Mr. Rohinton P. Jambhusharwala.  
(Transferor)
- (2) Shree Mankeshwar Prasad Co-Operative Housing Society Ltd.  
(Transferee)
- (3) Members of the Society (as per annexure A)  
List of Members of the Society.

1. Pandurang Narayan Kokate. 2. R. Gangji & Vasantlal Gangji. 3. Devji Monshi. 4. Bhanji Khetsi. 5. Premsing Narayan Singh. 6. Premji Velji. 7. Shah Samji Kanji. 8. Shivji Nagsi & Gangji Nagsi. 9. Uttam Bhikaji Kadami. 10. Rajaram Hari Masoor Kar. 11. Yashwant Narayan

Kumbli. 12. Bhikaji Narayan Tandel. 13. Bist Bachasingh. 14. Ganpat Vasudeo Surve. 15. Govind Harichandra Rewandkar. 16. Dattaram Shivaram Hadkar. 17. Ankush Sakhararam Sawant. 18. Shankar Abaji Rane. 19. Shankar Krishnaji More. 20. Mahadev Krishnaji Pawar. 21. Jagan Nath Shivaram Churmur. 22. Mrs. Umabai Rawaji Ghadi.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

**FIRSTLY** : All that piece or parcel of Pension and Tax land or ground together with the messuage, tenement, dwelling, house or bungalow standing thereon situate lying and being on the South of Matharpakhady Road without the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 2648 sq. yds. or 2214 square metres or thereabouts registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Old No. 14, New No. 16238, Old Survey No. 18, New Survey No. 1/370 land assessed by the Collector of Assessment under 'E' Ward Nos. 5829, 5831 and Street Nos. 1 and new bearing E Ward Nos. 5831(1)(1A) (2) and street Nos. 21, 214, 23-23D, & E Ward No. 5828(2) Street No. 21A-21E Matharpakhady Road and bounded as follows : that is to say on or towards the East by the property of Sorabji Dadabhoy Baxter and Shavksha Dadabhoy Baxter, On or towards the West partly by the property of Goculdas Madhowji and partly by a common sweeper's passage, On or towards the North by the Matharpakhady Road, and on or towards the South by the Property of Pestonji Nusserwanji Godiwala and partly by the property of Goculdas Madhowji and bearing Cadastral Survey No. 504 of Magagaon Division together with building tenants occupied by the tenants.

**SECONDLY** : All that piece or parcel of Government land or ground situate near Matharpakhady Road at Mazagaon without the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay containing 718 sq. yards or 600.31 sq. metres or thereabouts and bounded as follows : that is to say on or towards the North and East partly on or towards the South by the property in the tenure or occupation of the Lessee bearing New Survey No. 1/3701 and on or towards the West and partly on or towards the South by the boundary wall of the property in the tenure or occupation of Raghunath Narayan and others bearing New Survey No. 3702 and is assessed by the Collector of Bombay under Collector's Old No. Nil, New No. 17225, Old Survey No. 17, New Survey No. 2/3701 and Ward No. 5828(2) and 5829 and Street No. 21, Cadastral Survey No. 504 of Mazagaon Division together with building tenants occupied by the tenants.

G. A. JAMES  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 13-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) (i) Shri T. V. Subramania Iyer, Insurance Agent, Ernakulam (ii) T. S. Viswanathan, (iii) T. S. Kalyanakrishnan, (iv) T. S. Parameswaran (Minors by guardian T. V. Subramania Iyer).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th October 1976

Ref. L. C. No. 84/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRA CHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 12-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) (i) Annie Isaac, w/o Issac Chacko, and (ii) Jacob Isaac, (iii) Anupama Soosan, (iv) Kukkumaria Isaac (Minors by guardian Isaac Chacko).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

12 Cents 930 Sq. links of land with buildings in Sy. No. 620 of Ernakulam Village.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

- (1) (i) Sri Mathew  
(ii) Kuruvilla  
(for M/s Vijayalakshmi Oil Industries Ltd,  
Kottayam).  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT,  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
M. G. ROAD ERNAKULAM,  
COCHIN-682011

Cochin-682011 the 13th October 1976

Ref. L. C. No. 85/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRA-CHODAN NAIR, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. Nos. as schedule, situated at Vijayapuram Village in Kottayam District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottayam (Addl) on 16-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (2) (i) Sri Muraleedharan Nair, Vadakkekara Thazhathu veedu, Thrikothamangalam,  
(ii) Sreekumari Amma.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

2 acres 67.367 cents of land with unfinished buildings in Sy. Nos. 133/5, 135/8/2 135/9 in Vijayapuram village in Kottayam District.

S. N. CHANDRA-CHODAN NAIR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 13-10-1976  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 12th October 1976

Ref. No. Acq. File No. 368.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-6-32, situated at Abdul Razeeem St., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 16-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shrimati Yasangi Suscela Devi,  
W/o Late Narasimharao,  
11-6-32, Abdul Azeeem St., Islampeta,  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) 1. Gonuguntla Venkata Subbarao, S/o Chalamaiyah,  
2. Neelisetty Pitchaiah S/o Chennakesavalu  
Stationery Merchants,  
Nandipativeni Street,  
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule property as notified in Doc. No. 684/76 and registered with Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended 15-2-1976.

B. V. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 12-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Valluru Kasturi Bai,  
W/o Late Purnachandrarao,  
Brindavan Colony, Labbipeta,  
Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 12th October 1976

Ref. No. Acq. File No. 369.—Whereas, J. B. V. SUBBARAO,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26-2-28

situated at Sambamurty Road, Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 12-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Chilakapati Usha Rani, w/o Venkata Rama-prasad Indupalli Village, Ganapavaram Taluk Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as notified in Document No. 664/76 registered with S.R.O., Vijayawada during the fortnight ended 15-2-1976.

B. V. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 12-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 12th October 1976

Ref. No. Acq. File No. 370.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26-2-28, situated at Sambamurty Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 12-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, it ,pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Valluru Kasturi Bai,  
W/o Late Purnachandrarao,  
Drindavan Gardens, Labbipeta,  
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Chilakapati Venkataramaprasad,  
S/o Venkata Rangarao,  
Indupalli Village,  
Gannavaram Taluk  
Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The schedule property as notified in document No. 663/76 registered with Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended 15-2-1976.

B. V. SUBBARAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kakinada

Date : 3-8-1976.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 7th October 1976

Ref. No. Acq/32A/Dehradun/76-77/1644.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule,

situated at As per schedule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 9-2-1976

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Shrimati Brij Rani w/o Sri A. K. Bakshi  
r/o 82, Rajpur Road, Dehradun.  
2. Sri Brij Mohan s/o Sri Jai Krishan Dass  
r/o Phagwara (Punjab) now in Pali Rajasthan through his attorney Sri Avtar Kishan Bakshi, (Transferor)

(2) M/s Nav Chitra Cooperative Housing Society Ltd, Office at 11 Kaulagarh Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property Khasra No. 115 M a peace of land (1 portion) measuring 3605.5 sq. yds situated at Kanwali, Pargana Central Doon Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 32,000/-.

**VIJAY BHARGAVA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Naresh Kumar S/o Salek Chandra Singh, R/o 13, Ramteram Road, Ghaziabad, Mukhtaraam, Smt. Kastoori Devi W/o Salek Chandra Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 11th October 1976

Ref. No. 82/Acq/G.BAD/76-77/1643.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule and situated at As per schedule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Anil Kumar Goel S/o Sri Ved Prakash Goel, R/o Radhapuri, Hapur, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Immovable property bearing plot No. 37 measuring 1285 sq. yds. situated at Salek Chand Colony, Near Nehru Nagar, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIJAY BHARGAVA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Kanpur

Date : 11-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Sakuntala Budharaja.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar-9, the 15th October 1976

Ref. No. 30/76-77/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I. A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P.S. No. 65, situated at Unit-VIII, Bhubaneswar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 10-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri Jagadish Chandra Budharaja  
Director of M/s. Jaycee Housing (P) Ltd.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The land with structure thereon situated at Unit-VIII, Bhubaneswar over the old Plot No. 43 under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No. 3870 dated 10-5-76.

A. N. MISRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date : 15-10-1976

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Malika Lambah, wd/o  
Late Shri Amar Nath Lambah,  
G-23, Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI-1

New Delhi-1, the 20th October 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.III/Feb/75-76/495(8).—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

XVI/10230, Plot No. 85, situated at Block '6', Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on 5-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Jai Singh s/o S. Kirpa Singh, r/o 20B/8B, Tilak Nagar, New Delhi  
2. A. R. Vig, s/o Sh. C. L. Vig, r/o 23A/5, Tilak Nagar, New Delhi  
3. Narinder Pal, s/o Sada Nand, r/o 17/5, West Patel Nagar, New Delhi.  
4. Sh. Vidya Sagar Anand s/o Sh. Sada Nand, r/o 3309, Ranjit Nagar, New Delhi.

(Transferee)

- (3) 1. Mr. V. R. Santhanam  
2. S. Surjit Singh  
3. Shri K. V. Sathe.  
4. Shri A. P. Narain-Swami.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 2½ storeyed pucca built house bearing Municipal No. XVI/10230 built on Plot No. 85, Block No. '6' measuring 20-1/3 yard in length and 11-1/3 in breadth and 230.44 sq. yds in area and situated at Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

East : Property No. XVI/6/84  
West : Property No. XVI/6/86  
North : Road  
South : Lane.

S. C. PARIJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date : 20-10-1976

Seal :